■ श्रावण कृष्ण - 9 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 350 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 19-07-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 सोशल मीडिया पर कांवड़ियों को बदनाम करने के प्रयास किए जा रहे : योगी आदित्यनाथ

6 क्या बिहार में सुशासन अब जंगलराज में बदल रहा है?

7 न्यायमूर्ति वर्मा को हटाने पर सभी दल सहमत : रीजीजू

फर्स्ट टेक

वेतनभोगियों के लिए आईटीआर- 2 दाखिला शुरू

नई दिल्ली/भाषा। आयकर विभाग ने शुक्रवार को कहा कि आयकरदाता अपने रिटर्न फॉर्म – आईटीआर–2 विभाग के ई–फाइलिंग पोर्टल पर आज से दाखिल कर सकते हैं। विभाग की ओर से जारी एक सूचना में कहा गया है कि ई– फाइलिंग पोर्टल पहले से भरे गए डेटा के साथ आईटीआर –2 ऑनलाइन माध्यम से दाखिल करने के लिए चालू हो चुका है। आईटीआर–2 फॉर्म उन व्यक्तियों और अविभाजित हिंदू परिवारों (एचयूएफ) में के लिए है जो 'व्यापार या पेशे से लाभ और प्राप्ति' को छोड़ कर अन्य स्रोतों से आय प्राप्त करते हैं। इस तरह वेतन और पेंशन तथा मकान के किराए (एक से अधिक मकान) जैसे स्रोतों से आय कमाने वाले व्यक्ति पहले से भरे डेटा वाले आईटीआर–2 फॉर्म भरने के पात्र हैं।

यूरोपीय संघ और ब्रिटेन ने रूस पर नए प्रतिबंध लगाए

ब्रसेल्स/एपी। यूरोपीय संघ (ईयू) और ब्रिटेन ने रूस पर यूक्रेन के खिलाफ युद्ध खत्म करने का दबाव बढ़ाते हुए मॉस्को के ऊर्जा क्षेत्र, पुराने तेल टैंकरों के बेड़े और सैन्य खुफिया सेवा के कर्मियों को शुक्रवार को नये प्रतिबंधों से निशाना बनाया। ईयू की विदेश नीति प्रमुख काजा कालास ने कहा, ''संदेश साफ है : यूरोप यूक्रेन का समर्थन करने में पीछे नहीं हटेगा। यूरोपीय संघ तब तक दबाव बढ़ाता रहेगा, जब तक रूस अपना युद्ध समाप्त नहीं कर देता।'' कालास की यह टिप्पणी यूरोपीय संघ के तेल की कीमतों पर नई सीमा लागू करने सहित अन्य नये उपायों पर सहमति जताने के बाद आई। उन्होंने कहा कि यह तीन साल से अधिक समय से जारी युद्ध के संदर्भ में ''रूस के खिलाफ अब तक का सबसे कड़ा प्रतिबंध पैकेज'' है।

अंडमान सहकारी बैंक घोटाला : पूर्व कांग्रेस सांसद कुलदीप शर्मा गिरफ्तार

पोर्ट ब्लेयर/भाषा। आपराधिक अन्वेषण विभाग (सीआईडी) ने पूर्व कांग्रेस सांसद कुलदीप राय शर्मा को अंडमान एवं निकोबार राज्य सहकारी बैंक लिमिटेड (एएनएससीबीएल) ऋण अनियमितता मामले में शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। पूर्व में एएनएससीबीएल के अध्यक्ष रह चुके शर्मा को पोर्ट ब्लेयर के एक निजी अस्पताल से गिरफ्तार किया गया, जहां उन्हें स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण भर्ती कराया गया था। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''शर्मा को कुछ स्वास्थ्य समस्याओं के चलते डॉ. रितिकाज डायग्नोस्टिक सॉल्यूशन्स मल्टी–स्पेशलिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सुबह अधिकारियों की एक टीम निजी अस्पताल गई और उन्हें गिरफ्तार कर लिया।''

19-07-2025 सूर्यास्त 6:49 बजे | 20-07-2025 सूर्योदय 6:02 बजे

BSE	NSE
81,757.73	24,968.40
(-501.52)	(-143.05)

सोना	चांदी
10,284 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	116,534 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

गंदे बयान

टिक रही सियासत मज़हब पर,
हतप्रभ हिंदु और मुसलमान।
जब हैं सब ही हिंदुस्तानी,
फिर क्यों देते नेता बयान।
वोटों के दलबाजों हरगिज,
ना बोलो तुम फिरकी जुबान।
है मुल्क सभी का भारत ही,
'जय हिंद' सभी का यशोगान।।

पूर्वी भारत के विकास के लिए विकसित बिहार जरूरी : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मोतिहारी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर करारा प्रहार करते हुए आरोप लगाया कि उसने नौकरियों के झूठे वादे करके गरीबों की जमीन हड़प ली। मोदी ने जमीन के बदले नौकरी घोटाले की ओर इशारा करते हुए यह आरोप लगाया। साथ ही, उन्होंने कहा कि पूर्वी भारत के विकास के लिए विकसित बिहार जरूरी है। आगामी विधानसभा चुनाव से पहले मोतिहारी में प्रधानमंत्री ने नया नारा दिया, बनाएंगे नया बिहार, फिर एक बार एनडीए सरकार।

उन्होंने कांग्रेस–राष्ट्रीय जनता दल(राजद) गठबंधन पर गरीबों और सामाजिक रूप से पिछड़े लोगों के नाम पर राजनीति करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने अतीत में राज्य की उपेक्षा के लिए विपक्षी गठबंधन को जिम्मेदार ठहराया। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने बिहार की धरती से ऑपरेशन सिंदूर' का संकल्प लिया था और दुनिया ने इसकी सफलता देखी है। मोदी ने जमीन के बदले नौकरी घोटाले की ओर इशारा करते हुए कहा, राजद युवाओं को रोजगार देने के बारे में सोच भी नहीं सकता, क्योंकि उन्होंने (राजद नेताओं) नौकरी दिलाने के झूठे वादे करके गरीबों की जमीन हड़प ली। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य में राजद–कांग्रेस शासन के दौरान विकास कोसों दूर था।

प्रधानमंत्री ने कहा, उन्होंने कभी गरीबों की भलाई के बारे में नहीं सोचा। उन्होंने केवल गरीबों और सामाजिक रूप से पिछड़े लोगों के नाम पर राजनीति की। युवाओं के लिए और अधिक अवसरों का वादा करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार देश भर में नौकरियां और रोजगार के अवसर मुहैया करने के लिए एक लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगी।

मोदी ने टीएमसी पर घुसपैठ को बढ़ावा देने का आरोप लगाया

दुर्गापुर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को तृणमूल कांग्रेस पर निशाना साधते हुए, उस पर वोट बैंक की राजनीति के लिए घुसपैठ को बढ़ावा देकर बंगाली अस्मिता और राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने का आरोप लगाया और कहा कि ममता बनर्जी सरकार ने तुष्टिकरण की राजनीति की ''सारी हद पार कर दी है।'' मोदी ने राज्य में तेल एवं गैस, बिजली, रेल और सड़क क्षेत्रों में 5,400 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। उन्होंने भाजपा को नये बंगाल का अग्रदूत बताया और कहा, ''भाजपा के पश्चिम बंगाल के लिए बड़े सपने हैं। हम एक समृद्ध, विकसित बंगाल का निर्माण करना चाहते हैं। यहां शुरू की जा रही सभी परियोजनाएं उस सपने की दिशा में एक कदम है।''

तृणमूल कांग्रेस के शासनकाल में बंगाल के आर्थिक माहौल की तीखी आलोचना करते हुए मोदी ने कहा कि राज्य उद्योग और निवेशकों के लिए अनुपयुक्त हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया, ''तृणमूल कांग्रेस का 'गुंडा टैक्स' बंगाल में निवेश को रोक रहा है। राज्य के संसाधन माफिया के हाथों में चले गए हैं और सरकारी नीतियां मंत्रियों को भ्रष्टाचार में लिप्त करने के लिए तैयार की गई हैं।''

दुर्गापुर में एक जनसभा में मोदी ने भाजपा को एकमात्र ऐसी पार्टी बताया, जो बंगाली अस्मिता का वास्तव में सम्मान और रक्षा करती है। उन्होंने ''झूठ, अराजकता और लूट'' के शासन का अंत करने का भी आह्वान किया।

विकास कार्य के लिए कर्नाटक के मुख्यमंत्री

सिद्दरामय्या ने विधायकों को 50 करोड़ रुपए देने की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने विधायकों को पत्र लिखकर घोषणा की है कि उनके विधानसभा क्षेत्रों में विकास कार्यों के लिए 50 करोड़ रुपये आवंटित किए जाएंगे। सत्तारूढ़ कांग्रेस सहित सभी विधायकों में अपने निर्वाचन क्षेत्रों में विकास कार्यों के लिए धन आवंटन की कमी को लेकर असंतोष है। सिद्दरामय्या ने 15 जुलाई को विधायकों को लिखे पत्र में कहा, वर्ष 2025–26 के राज्य के बजट में घोषित मुख्यमंत्री बुनियादी ढांचा विकास कार्यक्रम के तहत आपके विधानसभा क्षेत्र को 50 करोड़ रुपये का विशेष अनुदान आवंटित किया जाएगा।

इसमें कहा गया है, कार्यों के लिए अनुदान की राशि इस प्रकार निर्धारित की गई है। लोक निर्माण विभाग, सड़क और पुल कार्य, ग्रामीण सड़क व पुल और शहरी क्षेत्र के कार्य: 37.50 करोड़ रुपये। अन्य विभागीय कार्य, जिन्हें विधानसभा के सदस्य अपने विवेक से चुन सकते हैं: 12.50 करोड़ रुपये। विधायकों को अपने मांग पत्र के साथ एक निर्दिष्ट प्रारूप में कार्यों का विवरण मुख्यमंत्री को उपलब्ध कराने के लिए कहा गया है।

छांगुर बाबा और उनके सहयोगियों को विदेश से 60 करोड़ रुपए की धनराशि मिली : ईडी

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को कहा कि उसे पता चला है कि उत्तर प्रदेश में कथित अवैध धर्मांतरण गिरोह से जुड़े धन शोधन के एक मामले में जांच के घेरे में आए छांगुर बाबा को 22 बैंक खातों में 60 करोड़ रुपये की धनराशि प्राप्त हुई थी। इसमें विदेश से प्राप्त हुई बड़ी धनराशि भी शामिल है। संघीय जांच एजेंसी ने छांगुर बाबा के पैतृक जिले बलरामपुर में एक दर्जन से अधिक ठिकानों और मुंबई में दो जगहों पर छापेमारी पूरी करने के बाद एक बयान जारी करके यह जानकारी दी। ये छापे बृहस्पतिवार को मारे गए।

छांगुर बाबा उर्फ जलालुद्दीन उर्फ करीमुल्ला शाह के खिलाफ धन शोधन का मामला हाल ही में उत्तर प्रदेश आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) द्वारा लखनऊ के गोमती नगर स्थित एक पुलिस थाने में भारतीय दंड संहिता और उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम, 2021 की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज की गई एक प्राथमिकी पर आधारित है।

छांगुर बाबा, उसके बेटे महबूब और उसके कथित सहयोगियों नवीन रोहरा उर्फ जमालुद्दीन और नीतू उर्फ नसरीन को एटीएस ने गिरफ्तार किया था। वे वर्तमान में जेल में बंद हैं। एटीएस की शिकायत में गैरकानूनी धर्मांतरण, विदेशी धन के उपयोग और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए संभावित खतरा पैदा करने वाली गतिविधियों से जुड़ी एक 'बड़े पैमाने' की साजिश का आरोप लगाया गया है।

आतंकवाद के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' की नीति पर अमल कर रहा है भारत : बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शुक्रवार को कहा कि वर्तमान समय में भारत आतंकवाद के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' (बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं करने) की नीति पर सख्ती से अमल कर रहा है। उन्होंने संसद भवन में दक्षिण कोरिया के पूर्व प्रधानमंत्री किम बू क्यूम के नेतृत्व वाले एक संसदीय प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक के दौरान भारत की इस नीति को दोहराया।

लोकसभा सचिवालय की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, बिरला ने जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए हालिया आतंकवादी हमले की निंदा की और कहा कि इस प्रकार की जघन्य घटनाएं अंतरराष्ट्रीय समुदाय की अंतरात्मा को झकझोर देती हैं।

लोकसभा अध्यक्ष का कहना था कि पाकिस्तान द्वारा अपनी धरती पर मौजूद आतंकी ढांचे के खिलाफ कार्रवाई न करने के कारण भारत ने जवाब दिया। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल को 'ऑपरेशन सिंदूर' के बारे में जानकारी दी, जिसके तहत भारत की प्रतिक्रिया संतुलित, उकसावे से रहित और केवल आतंकवादी ढांचे को नष्ट करने तथा खतरों को समाप्त करने पर केंद्रित थी।

बिरला ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की 'जीरो टॉलरेंस' नीति को सख्ती से लागू किया जा रहा है, जिसके लिए सशक्त कानून और सक्षम संस्थाएं कार्यरत हैं।'' उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई में दक्षिण कोरिया से निरंतर समर्थन की आशा व्यक्त की।

शराब 'घोटाला' मामले में

ईडी ने भूपेश बघेल के बेटे को गिरफ्तार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता और छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को शराब घोटाले से जुड़े एक कथित धनशोधन मामले में गिरफ्तार कर लिया। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि दुर्ग जिले के भिलाई शहर में भूपेश बघेल के आवास पर छापेमारी के बाद उनके बेटे चैतन्य बघेल को धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत हिरासत में लिया गया। पिता–पुत्र दोनों एक ही जगह रहते हैं। घर के बाहर भारी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद थे, जबकि कुछ पार्टी समर्थक भी एकत्र थे।

भूपेश बघेल ने बताया कि शुक्रवार को चैतन्य का जन्मदिन है।

चैतन्य को गिरफ्तार करने के बाद ईडी ने उन्हें रायपुर की एक विशेष पीएमएलए अदालत में पेश किया । अदालत ने उन्हें पांच दिनों के लिए ईडी की हिरासत में भेज दिया।

केंद्रीय एजेंसी के अधिवक्ता सौरभ कुमार पांडेय ने संवाददाताओं को बताया कि चैतन्य बघेल को विशेष न्यायाधीश (धन शोधन निवारण अधिनियम–पीएमएलए) की अदालत में पेश किया गया और ईडी ने उनकी पांच दिनों की हिरासत मांगी। पांडेय ने बताया कि अदालत ने 22 जुलाई तक चैतन्य को हिरासत भेज दिया।

अगर खरगे और राहुल के भाषण से अतिक्रमणकारियों को उकसाया गया तो दोनों के खिलाफ कार्रवाई होगी : हिंमत बिश्व शर्मा

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि यदि पुलिस को ये पता चलता है कि कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी के भाषणों ने पैकन आरक्षित वनक्षेत्र में बृहस्पतिवार को सुरक्षा बलों पर हमला करने के लिए अतिक्रमणकारियों को उकसाया है, तो पुलिस दोनों नेताओं के खिलाफ कार्रवाई करने में ''नहीं हिचकिचाएगी।'' शर्मा ने यह भी कहा कि विपक्षी दल अगले साल होने वाला राज्य विधानसभा चुनाव एकमात्र इस एजेंडे के साथ लड़ने की तैयारी कर रहा है कि उन्हें सलाखों के पीछे डाला जाए।

बृहस्पतिवार देर शाम पार्टी की एक बैठक में भाग लेने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए, शर्मा ने कहा, ''खरगे और गांधी का असम दौरा कोई मुद्दा नहीं है। लेकिन अपनी बैठक में उन्होंने अतिक्रमणकारियों और 'भूमि जिहादियों' को सरकारी जमीन पर अतिक्रमण करने के लिए खुलेआम प्रोत्साहित किया।''

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी ने बुधवार को असम का दौरा किया था, जिस दौरान उन्होंने यहां राज्य के शीर्ष पार्टी पदाधिकारियों के साथ बंद कमरे में चर्चा की थी और बाद में गुवाहाटी से 40 किलोमीटर दूर चायगांव में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया था।

देश में सामान्य से नौ प्रतिशत अधिक बारिश : आईएमडी

नई दिल्ली/भाषा। भारत में इस मानसून ऋतु में अब तक सामान्य से नौ प्रतिशत अधिक वर्षा हुई है, लेकिन यह पूरे देश में समान रूप से नहीं हुई है। भारत मौसम विभाग (आईएमडी) के आंकड़ों से यह जानकारी मिली। आईएमडी के आंकड़ों के अनुसार, झारखंड, राजस्थान और लद्दाख जैसे कुछ राज्यों में सामान्य से कहीं अधिक बारिश हुई है। आंकड़ों के मुताबिक, एक जून से 16 जुलाई के बीच देश में 331.9 मिमी बारिश हुई, जो इस अवधि की सामान्य वर्षा 304.2 मिमी से लगभग नौ प्रतिशत अधिक है, लेकिन यह औसत बड़े पैमाने पर क्षेत्रीय विभिन्नता को इंगित नहीं करता। आईएमडी के मुताबिक, झारखंड में सामान्य से 71 प्रतिशत अधिक बारिश हुई, यहां सामान्यतः 348.9 मिमी बारिश होती है, जबकि यहां अबतक 595.8 मिमी बारिश हुई है।

जयशंकर ने युवाओं को जीवन के सबक बताए; कहा-

बातचीत के लिए आपको प्रतिद्वंद्वियों से आगे सोचना होगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। युवाओं को वैश्विक घटनाक्रमों में दिलचस्पी लेने का संदेश देते हुये विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि आज के छात्रों के लिए जो दुनिया इंतजार कर रही है, वह पूरी तरह से अलग होने के साथ ही कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), ड्रोन और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी जैसी प्रौद्योगिकियों से प्रभावित है।

दिल्ली में द एयर फोर्स स्कूल (टीएएफएस) के 70वें स्थापना दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि इस परिसर में आकर वह भावविभोर महसूस कर रहे हैं, क्योंकि उनकी बहुत सारी पुरानी यादें ताजा हो गईं।

स्कूली शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, स्कूल में हमें जो सिखाया जाता है, वह हमारे जीवन में बहुत काम आता है। जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूं कि मैंने जीवन में कैसा काम किया, तो मैं पाता हूं कि मैंने इनमें से बहुत से गुणों को आत्मसात किया। जयशंकर ने एक अनुभवी राजनयिक के रूप में अपने अनुभव का जिक्र करते हुए इस बात पर जोर दिया कि स्कूलों में सीखे गए सबक और कौशल पेशेवर जीवन में भी काम आते हैं। उन्होंने कहा, मैंने अपना अधिकांश जीवन कूटनीति की दुनिया में बिताया है और कूटनीति में आप हर समय बातचीत करते रहते हैं। बातचीत करने के लिए आपको अपने प्रतिस्पर्धियों से कहीं बेहतर तैयारी और सोच–विचार करना होता है। आप उनसे तभी बेहतर तैयारी और सोच–विचार कर सकते हैं, जब आप उन गुणों को अपने अंदर समाहित कर लें, जो शिक्षक हममें डालने का प्रयास करते हैं, यानी अपना होमवर्क करें, उसे समझें, तैयारी करें और भावी घटनाओं का पूर्वानुमान लगाने का प्रयास करें।

अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता में भारत को सतर्क रहने, सूझबूझ से काम करने की जरूरत : रघुराम राजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को लेकर जारी बातचीत के दौरान भारत को खासकर कृषि क्षेत्र को लेकर 'बहुत सतर्क' रहने और 'सूझबूझ' के साथ काम करने की जरूरत है। राजन ने पीटीआई–वीडियो से बातचीत में कहा कि विकसित देश कृषि क्षेत्र को काफी सब्सिडी देते हैं और यह हमें ध्यान रखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारत की आर्थिक वृद्धि दर फिलहाल छह–सात प्रतिशत के दायरे में स्थिर हो गई है। हालांकि वैश्विक व्यापारिक अनिश्चितताओं के चलते इसमें थोड़ी गिरावट हो सकती है।

राजन ने कहा, ''कृषि जैसे क्षेत्रों में व्यापार समझौते काफी जटिल हो जाते हैं क्योंकि हर देश अपने उत्पादकों को सब्सिडी देता है। भारत के उत्पादक अपेक्षाकृत छोटे हैं और उन्हें कम सब्सिडी मिलती है। ऐसे में यदि कृषि उत्पादों का निर्बाध आयात होने लगे तो इससे हमारे किसानों को नुकसान हो सकता है।'' भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) को लेकर इस सप्ताह वाशिंगटन में पांचवें दौर की बातचीत हुई है।

कृषि जैसे क्षेत्रों में व्यापार समझौते काफी जटिल हो जाते हैं क्योंकि हर देश अपने उत्पादकों को सब्सिडी देता है। भारत के उत्पादक अपेक्षाकृत छोटे हैं और उन्हें कम सब्सिडी मिलती है। ऐसे में यदि कृषि उत्पादों का निर्बाध आयात होने लगे तो इससे हमारे किसानों को नुकसान हो सकता है।

भारत अमेरिकी प्रशासन की तरफ से अप्रैल में घोषित 26 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क को हटाए जाने की मांग कर रहा है। इसके अलावा भारतीय इस्पात एवं एल्युमीनियम पर लगे 50 प्रतिशत और वाहनों पर 25 प्रतिशत शुल्क से राहत देने की मांग रखी गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि भारत के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौता इंडोनेशिया के साथ हुए समझौते की तर्ज पर ही होगा। इसका मतलब है कि कृषि क्षेत्र में आयात की अनुमति देने एक अहम मुद्दा बनने जा रहा है।

भावना ही भक्ति को सार्थक और प्रभावी बनाती है : संतश्री ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सुमतिनाथ जैन संघ यलहंका में विराजित आचार्यश्री हस्तीमलजी के शिष्य श्री ज्ञानमुनिजी के सान्निध्य में शुक्रवार को लोकेश मुनि जी ने कहा कि हमें अपनी चेतना से पहले अपनी जिंदगी की भूमिका को जागना चाहिए। हमें कुछ पाने के लिए चेष्टा, एकाग्रता, क्षणिक निद्रा, अल्प आहारी और एक विद्यार्थी की तरह किसी भी चीज को ग्रहण करने की क्षमता को विकसित करना होगा।। इन पांच लक्षणों को हमें अपने जीवन में धारण करना चाहिए

जिनसे हम कोई भी कार्य को पूर्ण कर सके या फिर किसी भी लक्ष्य को पा सके। संतश्री ज्ञान मुनि जी ने बताया कि उत्तराध्ययन सूत्र के चौथे अध्याय का यह सार है कि हमें किसी भी तरह का प्रमाद नहीं करना चाहिए। एक क्षण में ही संपूर्ण जीवन बदल सकता है। अन्न के बिना जीवन को व्यतीत कर सकते हैं परंतु जल के बिना नहीं। भावना से बड़ी कोई भक्ति नहीं। भक्ति में हृदय से की गई भावना सबसे महत्वपूर्ण हैं। भावना ही भक्ति को सार्थक और प्रभावी बनाती है। वात्सल्य से हर मुश्किल से मुश्किल काम भी बन जाता हैं। प्रमाद में खोना ही खोना है और वात्सल्यता से सबका प्रिय बना जा सकता है। संचालन करते हुए मनोहरलाल लुकड़ ने बताया कि रविवार को दोपहर में 2.30 बजे से गुरुदेव श्री सौभागमलजी की पुण्यतिथि एवं आचार्यश्री जीतमलजी की जयंती मनाई जाएगी। सभा में सभी का स्वागत संयोजक नेमीचंद लुकड़ ने किया।

टीपीएफ सेन्ट्रल के 'मिशन दृष्टि' शिविरों में लाभान्वित हुए हजारों विद्यार्थी

-शहर के छह क्षेत्रों में लगाए गए नेत्र जांच शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम (टीपीएफ) सेंट्रल शाखा ने टीपीएफ राष्ट्रीय शाखा के निर्देशानुसार मेगा नेत्र जांच शिविर मिशन दृष्टि का आयोजन किया। इस मेगा शिविर के लिए 6 विभिन्न सेवा प्रदाताओं के सहयोग से उनके परिसर में लगभग 14 स्कूलों के 5 हजार बच्चों के लिए नेत्र शिविर आयोजित किए। मुनिश्री पुलकित कुमारजी के आशीर्वाद से तेरापंथ सभा भवन, गांधीनगर में शिविर का शुभारंभ हुआ। टीपीएफ द्वारा विनायक इंग्लिश स्कूल, आरटी स्ट्रीट के उदय स्कूल, वीवी पुरम स्थित केपीएस न्यू वाणीविलास स्कूल, मिशन रोड स्थित देवंगा स्कूल, उप्पारपेट स्थित एनकेएस स्कूल व चिक्कमावल्ली स्थित गणपति विद्या मंदिर में विभिन्न सहयोगियों व चिकित्सक टीमों द्वारा शिविरों का आयोजन किया गया। सेंट्रल शाखा के अध्यक्ष पुष्पराज चोपड़ा ने इस नेत्र शिविर के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने विभिन्न स्कूल प्रबंधन व सहयोगियों के प्रति आभार भी व्यक्त किया। इस मौके पर टीपीएफ सहित अनेक संबंधित संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

भाषा विवाद को लेकर केन्द्रीय मंत्री के समक्ष जताई चिंता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रवासी राजस्थानी कर्नाटक संघ के पदाधिकारियों ने धारवाड़ के सांसद एवं केन्द्रीय उपभोक्ता एवं खाद्य मंत्री प्रहलाद जोशी के शिष्टचार मुलाकात की। संघ के महामंत्री डजवरीलाल लूनावत ने केन्द्रीय मंत्री से देश में उतर भारतीयों के साथ बार बार भाषा विवाद को लेकर हो रही ज्यादतियों के लिए चिंता व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय ताक़तों द्वारा भाषा के नाम पर प्रवासियों के आत्म सम्मान और अस्तित्व पर कुठाराघात हो रहा है और उनके द्वारा हिंदी भाषियों को दबाना यह केवल भाषा का नहीं बल्कि भारत की राष्ट्रीय एकता, अखंडता व लोकतंत्र की आत्मा पर हमला है। लूनावत ने निवेदन किया कि अत: इस गंभीर मुद्दे को संसद के इस मानसून सत्र में उठाया जाए एवं इस हेतु सभी सांसदों को संसद में प्रभावशाली ढंग से बात रखकर निर्णायक एवं ऐतिहासिक कानून बनाने पर जोर दिया जाए।

असम के पांच जिलों में सूखे जैसी स्थिति

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि राज्य के पश्चिमी हिस्से के पांच जिलों में सूखे जैसी स्थिति है। उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल ने प्रभावित जिलों को अधिसूचित करने को सैद्धांतिक रूप से मंजूरी दे दी है और राजस्व विभाग सूखे जैसी स्थिति की औपचारिक घोषणा करेगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
नाम परिवर्तन
[illegible]

राजा रघुवंशी हत्याकांड

अदालत ने प्रॉपर्टी डीलर सिलोम जेम्स को जमानत दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिलांग/भाषा। मेघालय के ईस्ट खासी हिल्स जिले की एक अदालत ने इंदौर के व्यवसायी राजा रघुवंशी की हत्या के मामले में गिरफ्तार प्रॉपर्टी डीलर सिलोम जेम्स को शुक्रवार को जमानत दे दी। जेम्स के वकील देवेश शर्मा ने यह जानकारी दी। जमानत पर सुनवाई वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये हुई। शर्मा ने कहा कि सोहरा उप-मंडल के प्रभारी, प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट डीकेके मिहसिल ने इंदौर के प्रोपर्टी डीलर जेम्स को जमानत दी।

मेघालय पुलिस के विशेष जांच दल (एसआईटी) ने मध्य प्रदेश के रतलाम जिले में सिलोम जेम्स के आवास पर छापेमारी के दौरान राजा रघुवंशी की गायब हुई सोने की चेन समेत महत्वपूर्ण साक्ष्य बरामद किए थे। मेघालय पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए जेम्स और दो अन्य सह-आरोपियों, लोकेन्द्र सिंह तोमर और बलबीर अहिरवा पर न्यायिक कार्यों में बाधा डालने और इंदौर के एक फ्लैट में साक्ष्यों से छेड़छाड़ करने के आरोप हैं, जहां राजा रघुवंशी की हत्या के बाद सोनम और उसका प्रेमी राज कुशवाहा ठहरे थे। तोमर और अहिरवा को अदालत ने 13 जुलाई को जमानत दे दी थी।

पत्नी सोनम के साथ 'हनीमून' मनाने मेघालय गए इंदौर के व्यवसायी राजा रघुवंशी 23 मई को लापता हो गए थे। दो जून को ईस्ट खासी हिल्स जिले के सोहरा इलाके में एक गहरी खाई में उनका क्षत-विक्षत शव मिला था। राजा और सोनम की शादी 11 मई को हुई थी। सोनम और राज कुशवाहा पर राजा रघुवंशी की हत्या की साजिश रचने और तीन हत्यारों - आकाश राजपूत, विशाल सिंह चौहान और आनंद कुर्मी को सुपारी देने का आरोप है। सोनम, राज कुशवाहा और गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपी फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं।

मुझे किया गया है नजरबंद : मीरवाइज

श्रीनगर। हुर्रियत कांफ्रेंस के अध्यक्ष मीरवाइज उमर फारूक ने दावा किया कि उन्हें लगातार दूसरे शुक्रवार को नजरबंद रखा गया है। मीरवाइज ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, लगातार दूसरे शुक्रवार को भी मुझे घर में नजरबंद रखा गया है। मेरे घर की ओर जाने वाली हर गली और सड़क पर बैरिकेड लगा दिये गये जिससे पड़ोसियों को भी असुविधा हो रही है।'' हुर्रियत नेता को '1931 के शहीदों' की याद में 13 जुलाई को आयोजित होने वाले समारोह से दो दिन पहले 11 जुलाई को नजरबंद कर दिया था।

उन्होंने कहा, ''मैं शासकों को स्पष्ट कर दूं कि हमारे शहीदों की स्मृति को उनके द्वारा नियंत्रित नहीं किया जा सकता। यह हमारे दिलों में बसती है। लॉकडाउन लगा करके और लोगों को शहीदों के कब्रिस्तानों में जाने से रोककर या मुझे शुक्रवार को जामा मस्जिद जाने से रोककर तथा तुष्टीकरण के विमर्शों या शर्मनाक सांप्रदायिक विकृतियों से तथ्यों और इतिहास को नहीं मिटाया जा सकता, अगर यह लोगों की सामूहिक स्मृति में बसती है, जो कि यह है।'' उन्होंने कहा, 13 जुलाई 1931 के शहीद कश्मीर में राजनीतिक आंदोलन के अग्रदूत थे, यह उत्पीड़न के विरुद्ध जनता का न्यायोचित संघर्ष था। वे हमारी प्रेरणा हैं और रहेंगे। वर्ष 1931 में श्रीनगर केंद्रीय कारागार के बाहर डोगरा सेना द्वारा मारे गए 22 लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए जम्मू कश्मीर में 13 जुलाई को 'शहीद दिवस' मनाया जाता है। उपराज्यपाल प्रशासन ने 2020 में इस दिन को राजपत्रित छुट्टियों की सूची से हटा दिया था।

रिलायंस रिटेल ने केल्विनेटर का करीब 160 करोड़ रुपये में किया अधिग्रहण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रिलायंस रिटेल ने समूचे भारत में तेजी से बढ़ते प्रीमियम' घरेलू उपकरणों के बाजार में अपनी वृद्धि को गति देने के लिए केल्विनेटर के अधिग्रहण की शुक्रवार को घोषणा की। इसका सौदा मूल्य करीब 160 करोड़ रुपये आंका गया है।

रिलायंस रिटेल ने पहले इलेक्ट्रोलक्स होम प्रोडक्ट्स इंक से लाइसेंस के तहत केल्विनेटर ब्रांड का इस्तेमाल किया है। यह ब्रांड भारत में रेफ्रिजरेटर, एयर कंडीशनर, एयर कूलर और वाशिंग मशीन सहित कई उत्पादों की पेशकश करता है। रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड की कार्यकारी निदेशक ईशा एम. अंबानी ने कहा, केल्विनेटर का अधिग्रहण एक महत्वपूर्ण क्षण है, जो हमें भारतीय उपभोक्ताओं के लिए विश्वसनीय वैश्विक नवाचारों की हमारी पेशकश को महत्वपूर्ण रूप से व्यापक बनाने में सक्षम बनाता है। यह हमारे बेजोड़ पैमाने, व्यापक सेवा क्षमताओं और बाजार में अग्रणी वितरण नेटवर्क के जरिये समर्थित है। रिलायंस रिटेल ने हालांकि अधिग्रहण के मूल्य का खुलासा नहीं किया, लेकिन इलेक्ट्रोलक्स ग्रुप ने 2025 की दूसरी तिमाही के लिए अपनी अंतरिम रिपोर्ट में कहा कि इसकी परिचालन आय में भारत में केल्विनेटर ट्रेडमार्क खंड के 18 करोड़ एसईके (स्वीडन मुद्रा) यानी करीब 160 करोड़ रुपये के विनिवेश का प्रभाव शामिल है...'' रिलायंस रिटेल ने कहा कि केल्विनेटर ब्रांड के अधिग्रहण से भारत के तेजी से बढ़ते उपभोक्ता टिकाऊ क्षेत्र में कंपनी की अग्रणी स्थिति में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

कंपनी ने कहा कि केल्विनेटर की नवाचार की समृद्ध विरासत को रिलायंस रिटेल के विस्तृत खुदरा नेटवर्क के साथ जोड़ कंपनी उपभोक्ताओं के लिए पर्याप्त मूल्य प्राप्त करने और समूचे भारत में तेजी से बढ़ते प्रीमियम घरेलू उपकरणों के बाजार में विकास को गति देने के लिए तैयार है। यह तालमेल सुनिश्चित करेगा कि उच्च गुणवत्ता वाले, वैश्विक रूप से मानकीकृत उत्पाद हर भारतीय परिवार तक पहुंच सकें जिससे उनके दैनिक जीवन में सुधार हो।

आरएसएस और माकपा के पास लोगों के लिए कोई संवेदना नहीं : राहुल गांधी

कोट्टायम/भाषा। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि इन दोनों संगठनों में आम लोगों के प्रति कोई संवेदना नहीं है। केरल के पूर्व मुख्यमंत्री ओमन चांडी की दूसरी पुण्यतिथि पर पुथुपल्ली में आयोजित एक स्मृति सभा में राहुल गांधी ने कहा, मैं आरएसएस और माकपा से वैचारिक स्तर पर लड़ता हूं, लेकिन मेरी सबसे बड़ी शिकायत यह है कि इन दोनों को लोगों की कोई परवाह नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति लोगों के प्रति सहानुभूति नहीं रखता, उनसे जुड़ाव नहीं रखता है, या उन्हें गले नहीं लगाता, तो वह नेता नहीं बन सकता। उन्होंने कहा, तो, यही मेरी सबसे बड़ी शिकायत है। अगर आप राजनीति में हैं, तो महसूस करें कि लोग क्या सोच रहे हैं, उनकी बातें सुनें और उनसे संवाद करें। आज भारतीय राजनीति की असली त्रासदी यह है कि बहुत कम लोग ही वह महसूस कर पा रहे हैं जो दूसरे लोग महसूस कर रहे हैं।

दिल्ली के 45 से अधिक स्कूलों और तीन कॉलेज को मिली बम की धमकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के 45 से अधिक स्कूलों और तीन कॉलेजों को शुक्रवार सुबह बम से उड़ाने की धमकियां ईमेल के जरिए भेजी गईं जिसके बाद छात्रों और अभिभावकों में दहशत फैल गई। इस हफ्ते यह चौथा दिन है जब राष्ट्रीय राजधानी के स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकियां मिली हैं।

अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली पुलिस और विभिन्न त्वरित प्रतिक्रिया प्राधिकारियों ने तलाश और निकासी अभियान चलाया। इन संस्थानों को ईमेल के माध्यम से धमकियां मिलने पर पुलिस, बम निरोधक दस्ते और श्वान दस्तों के साथ तथा अग्निशमन विभाग के कर्मी स्कूलों और कॉलेजों की ओर रवाना हुए।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि अधिकारियों से प्राप्त नवीनतम जानकारी के अनुसार जिन तीन कॉलेजों को ऐसी धमकियां मिली हैं, वे हैं इंद्रप्रस्थ (आईपी) महिला कॉलेज, हिंदू कॉलेज और उत्तरी दिल्ली स्थित श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (एसआरसीसी)। इससे पहले कई जिलों के स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी।

द्वारका में छह स्कूलों - सेंट थॉमस स्कूल, जीडी गोयनका स्कूल, डीआईएस एज स्कूल, मॉडर्न इंटरनेशनल स्कूल, द्वारका इंटरनेशनल स्कूल और ला पेटिटे मोंटेसरी के प्रशासन ने धमकियां मिलने की सूचना पुलिस को दी। इसके बाद, इन स्कूलों में बचाव अभियान शुरू किया गया।

पुलिस के अनुसार ईमेल में कहा गया, ''नमस्ते। मैं आपको बताना चाहता हूं कि मैंने स्कूल के कक्षों में कई विस्फोटक उपकरण (ट्राईनाइट्रोटोल्यूइन) रखे हैं। विस्फोटकों को काले प्लास्टिक बैग में बड़ी कुशलता से छिपाया गया है।''

पुलिस उपायुक्त (द्वारका) अंकित सिंह ने बताया कि हालांकि द्वारका के स्कूलों में अभी तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है।

सरलता, पवित्रता, सात्विकता ही मनुष्य की साधना है : विमलसागरसूरीश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में शुक्रवार को जीरावला पार्श्वनाथ सभागृह में विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीजी ने कहा कि सरलता, पवित्रता, सात्विकता, निःस्वार्थ मन:स्थिति और संयमी जीवनवृत्ति ही मनुष्य की साधना बन जाती है। मंत्र और विद्याएं सहज सिद्ध हो जाती हैं। ऐसी सत्वशाली आत्माओं को देवता भी नमस्कार करते हैं। वे परोपकार के लिए ही दुनिया में आयी होती हैं। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि उपाध्याय भानुचंद्र और उपाध्याय शांतिचंद्र नामक दो जैन मुनियों से अब्बुल फ़जल ने भारतीय संस्कृति, साहित्य और प्राच्य विद्याओं का ज्ञान प्राप्त किया था। उसने मूल नक्षत्र में जन्मी अपनी बिटियां के दोष निवारण के लिए उक्त जैन मुनियों द्वारा करवाए गए शांति विधान और उनके उपकारों का स्मरण किया है। इस प्रकार यह स्पष्ट होता है कि भारतीय विद्याओं और साधनाओं का प्रभाव हर काल में रहा है। वर्तमान समाज को यह समझने की आवश्यकता है कि भोग-विलास और शौक-मौज से परे सरल सात्विक पवित्र जीवन ही महान उपलब्धियों का भंडार बनता हैं। विद्याएं और साधनाएं तुच्छ मलिन कामनाओं की पूर्ति के लिए नहीं, बल्कि महान ध्येय को प्राप्त करने के लिए होनी चाहिए। साधनाओं के समक्ष भौतिक उपलब्धियों का मूल्यांकन नहीं हो सकता। जैन संघ के सुरेश बोहरा ने बताया कि गणि पद्मविमलसागरजी ने रात्रिकालीन ज्ञानसत्र में युवाओं को संबोधित किया। राजेश श्रीश्रीमाल ने बताया कि रविवार को दूसरा जागरण सेमिनार आयोजित होगा।

आयंबिल तप के प्रबल समर्थक थे आचार्यश्री आनंदऋषि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जयनगर जैन स्थानक भवन में विराजित साध्वीश्री कंचनकंवरजी की निश्रा में श्रमणसंघ के आचार्यश्री आनंदऋषिजी की 125वीं जयंती महोत्सव अष्ट दिवसीय जप, तप व सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाई गई। आयंबिल तप से जीवन में शुद्धता आती है। आचार्य आनंदऋषिजी को आयंबिल तप पर विशेष श्रद्धा थी। वे स्वयं आयंबिल करते थे और दूसरों को भी करने के लिए प्रेरित करते थे।

साध्वी अणिमाश्रीजी ने कहा कि संसार में कई जीव जन्म लेते है लेकिन कुछ व्यक्ति ऐसे भी होते है जो अपने कर्तृत्व से अद्वितीय इतिहास का निर्माण करते है। ऐसे ही महान संत थे आचार्य आनंदऋषिजी। इस संसार में तीन प्रकार के व्यक्ति होते है, युगनिष्ठ, भविष्यनिष्ठ और आत्मनिष्ठ वाले व्यक्ति। युग निष्ठ व्यक्ति अपने बारे में सोचते है। भविष्यनिष्ठ व्यक्ति दूसरों के बारे में नहीं सोचते है किन्तु आत्मनिष्ठ व्यक्ति ही वह होते हैं जो अपनी संयम की निर्मल साधना से जप व तप करते हैं। संघ के मंत्री पदमचंद बोहरा ने संचालन किया।

संयम लेने से ही आत्मा का कल्याण संभव है : साध्वी हर्षपूर्णाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु विराजित साध्वी हर्षपूर्णाश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि हमने आज तक गति तो बहुत की लेकिन हमारी आत्मा की प्रगति कितनी हुई इसका भी हमें चिंतन करना है। गति करते करते हमें प्रगति का भी ध्यान रखना चाहिए। आध्यात्मिक क्षेत्र में हमें सतत और निरंतर आगे बढ़ना चाहिए। पिछले वर्ष में किए गए

सुकृत कार्यों से हमें कदम दर कदम आगे बढ़ते रहना चाहिए। हम बारह व्रतों का पालन अगर नहीं कर पा रहे हैं तो हमें क्रमशः एक एक व्रतों को ग्रहण करना चाहिए। जब तक हम प्रतिज्ञा प्रत्याख्यान नहीं लेंगे तब तक हमें पूरा दोष लगता रहता है। जब हम प्रत्याख्यान के बंधन में आ जाएंगे तो हम अपने कर्मों के बंध को सीमित कर सकते हैं। परमात्मा का जिनशासन इतना विशाल है कि हम छोटे छोटे नियम ग्रहण करके भी अपनी आत्मा का कल्याण कर सकते हैं। यदि हम संयम ग्रहण करके साधु साध्वी नहीं बन सकते तो कम से कम हमें हमें बारह व्रतों और चौदह नियमों का पालन करते हुए जिनशासन के सच्चे श्रावक तो बनना ही चाहिए। जब हम इन नियमों का पालन करेंगे तब हम परमात्मा महावीर के शासन के सच्चे श्रावक बन पाएंगे। संयम लेने से ही आत्मा का कल्याण संभव है। बिना सम्यक्त्व के चरित्र फलीभूत नहीं होता है और बिना चरित्र के मोक्ष प्राप्ति संभव नहीं है।

'कदम बढ़ाओ-मंजिल पाओ' कार्यशाला में 85 प्रशिक्षिकाएं ने पाया प्रशिक्षण व ज्ञान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ सभा गांधीनगर के तत्वावधान में मुनि डॉ पुलकित कुमार जी एवं आदित्य कुमार जी के सान्निध्य में ज्ञानशाला प्रशिक्षिकाओं के लिए 'कदम बढ़ाओ-मंजिल पाओ' कार्यशाला का आयोजन हुआ। मुनि पुलकित कुमार जी ने कहा कि ज्ञान दान एक अच्छा उपक्रम है, प्रशिक्षिकाएं घर गृहस्थी का दायित्व संभालने के साथ-साथ ज्ञानशाला को भी संभालती है, जिससे बच्चों का विकास हो और वे अपनी मंजिल को पा सके। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षिकाओं में ज्ञान, व्यवहार एवं समर्पण की भावना होनी चाहिए। मुनि श्री ने अभिभावकों से आह्वान किया कि वे अपने बच्चों को ज्ञानशाला भेजें जिससे वे गुरु के प्रसाद के हकदार बन सके। मुनि आदित्य कुमार जी ने 'कदम बढ़ाओ-मंजिल पाओ' गीत प्रस्तुत किया एवं बच्चों के विकास हेतु ध्यान का प्रयोग भी करवाया।

तेरापंथ सभा के मंत्री विनोद छाजेड़ ने सभी का स्वागत किया। उपासक अरविंद मांडोत ने प्रशिक्षिकाओं को बड़ा लक्ष्य बनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि बच्चों को प्रशिक्षित करते समय स्वयं की अच्छी तैयारी रखें एवं प्रमाणिकता रखें । मुनि श्री ने प्रशिक्षिकाओं से आचार्य भिक्षु से संबंधित ज्ञानवर्धक प्रश्न पूछे। इस मौके पर तेरापंथ सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली, महिला मंडल की अध्यक्षा लक्ष्मी बोहरा, अणुव्रत समिति के मंत्री लाभेश कांसवा, ज्ञानशाला क्षेत्रीय संयोजिका नीता गादिया, जोन संयोजिका बबीता चौपड़ा सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यशाला मेंह 85 प्रशिक्षिकाओं ने भाग लिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को भारतीय लोक प्रशासन संस्थान एवं मैसूर प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान तथा आईआईपीआई के संयुक्त तत्वावधान में केएएस तालुक नोडल अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

अगली कैबिनेट बैठक में बेंगलूरु भगदड़ पर समिति की रिपोर्ट पर चर्चा होगी : मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को कहा कि चार जून को बेंगलूरु में हुई भगदड़ की जांच के लिए सरकार द्वारा गठित एक सदस्यीय आयोग की जांच रिपोर्ट पर अगली कैबिनेट बैठक में चर्चा की जाएगी। इस भगदड़ में 11 लोग मारे गए थे। मुख्यमंत्री रिपोर्ट के निष्कर्षों को साझा करने के इच्छुक नहीं थे। उन्होंने कहा कि मंत्रियों को अगली कैबिनेट बैठक से पहले अध्ययन के लिए इसका सार दे दिया गया है।

उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश जॉन माइकल कुन्हा की अध्यक्षता वाले आयोग ने 11 जुलाई को सिद्दरामय्या को दो खंडों वाली रिपोर्ट सौंपी और इसे बृहस्पतिवार को कैबिनेट की बैठक के दौरान उनके समक्ष रखा गया। सिद्दरामय्या ने यहां संवाददाताओं से कहा, इस पर अभी तक कैबिनेट में चर्चा नहीं हुई है। कुन्हा समिति की रिपोर्ट कल कैबिनेट को सौंप दी गई। रिपोर्ट का सार सभी मंत्रियों को दे दिया गया है। वे इसका अध्ययन करेंगे और अगली कैबिनेट बैठक में इस पर चर्चा की जाएगी। रिपोर्ट के निष्कर्षों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, मीडिया ने कुछ बातें खबरों में कही हैं... में अगली कैबिनेट बैठक के बाद इसके बारे में बोलूंगा।

चार जून को बेंगलूरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर यह भगदड़ हुई थी, जहां रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) टीम की इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) जीत का जश्न मनाने के लिए बड़ी संख्या में लोग उमड़े थे। इस घटना में 11 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए।

पिछले दो दशकों में धर्मस्थल में कथित सामूहिक हत्या, बलात्कार और सामूहिक तौर पर दफन किए जाने की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) के तत्काल गठन की मांग करने वाले उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश वी गोपाल गौड़ा सहित कई लोगों की मांग पर एक सवाल का जवाब देते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार पुलिस विभाग की रिपोर्ट के आधार पर कानून के अनुसार मामले में आगे बढ़ेगी। उन्होंने कहा, अगर जरूरी हुआ तो एसआईटी का गठन किया जाएगा। यह पुलिस विभाग की रिपोर्ट पर आधारित होगी। वह व्यक्ति (चश्मदीद गवाह, एक पूर्व सफाई कर्मचारी जिसने दावा किया था कि उस इलाके में सैकड़ों शव दफनाए गए थे), 10 साल से फरार था, उसने अब पुलिस के सामने बयान दिया है और जो कुछ भी कहना था कह दिया है। उसने कहा है कि उसने ही शवों को दफनाया है और वह उस जगह को दिखाएगा जहां शव दफनाए गए हैं। देखते हैं पुलिस एक-दो दिन में क्या कहती है। इस मामले में सरकार पर किसी तरह का दबाव न होने की बात कहते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, अगर दबाव डाला भी गया तो हम उसकी परवाह नहीं करेंगे, हम कानून के अनुसार काम करेंगे।

'एक्स' के साथ कानूनी लड़ाई :

केंद्र ने 'सुप्रीम कोर्ट ऑफ कर्नाटक' का फर्जी खाता दिखाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सॉलिसिटर जनरल (एसजी) तुषार मेहता ने शुक्रवार को कर्नाटक उच्च न्यायालय में यह खुलासा करके अनियंत्रित ऑनलाइन गतिविधियों के खतरों को उजागर किया कि 2सुप्रीम कोर्ट ऑफ कर्नाटक'' (कर्नाटक के सर्वोच्च न्यायालय) के नाम से सफलतापूर्वक एक फर्जी और वह भी सत्यापित, एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट बनाया गया है। सोशल मीडिया दिग्गज 'एक्स' कॉर्प के साथ चल रहे टकराव में केंद्र की ओर से पेश हुए मेहता ने इस अकाउंट को इस बात का सबूत बताया कि जनता को गुमराह करने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म का कितनी आसानी से दुरुपयोग किया जा सकता है। मेहता ने तर्क दिया, हमने यह अकाउंट बनाया है। यह सत्यापित है। अब मैं कुछ भी पोस्ट कर सकता हूं और लाखों लोग मानेंगे कि कर्नाटक के सर्वोच्च न्यायालय ने ऐसा कहा है।

उन्होंने ऑनलाइन स्तर पर जवाबदेही की कमी को रेखांकित करते हुए यह बात कही। यह नाटकीय खुलासा एक्स कॉर्प की उस याचिका पर सुनवाई के दौरान हुआ, जिसमें सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 79(3)(बी) के तहत सरकारी अधिकारियों द्वारा विषयवस्तु को हटाने के लिए जारी आदेशों को चुनौती दी गई थी।

बेंगलूरु के 50 स्कूलों को बम की धमकी, जांच के बाद फर्जी निकली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। बेंगलूरु के करीब 50 स्कूलों को शुक्रवार सुबह बम की धमकी मिली जो जांच के बाद फर्जी पाई गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि स्कूल के 'अंदर बम' विषय वाले ईमेल विभिन्न स्कूलों की लगभग 50 ईमेल आईडी पर सुबह 7.24 बजे भेजे गए।पुलिस ने बताया कि मेल भेजने वाले ने दावा किया कि उसने संबंधित स्कूलों के कक्षों में कई विस्फोटक उपकरण रखे हैं।

ईमेल में कहा गया, ''नमस्ते। मैं आपको बताना चाहता हूं कि मैंने स्कूल के कक्षों में कई विस्फोटक उपकरण (ट्राईनाइट्रोटोल्यूइन) रखे हैं। विस्फोटकों को काले प्लास्टिक बैग में बड़ी कुशलता से छिपाया गया है।'' पुलिस ने बताया कि स्कूल प्रशासन ने तत्काल पुलिस को यह जानकारी दी। इसके बाद बम निरोधक दस्तों और तोड़फोड़-रोधी जांच दलों के साथ पुलिस संबंधित स्कूलों में पहुंची। पुलिस ने बताया कि छात्रों और कर्मचारियों को तुरंत स्कूल परिसर से बाहर निकाला गया, लेकिन जांच में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, सेंट्रल डिवीजन (बेंगलूरु पुलिस) की सीमा में आने वाले कम से कम चार स्कूलों को आज सुबह बम की धमकी वाला ईमेल मिला जिससे अफरा-तफरी मच गई। नियम के अनुसार सभी ज़रूरी कदम उठाए गए। कोई भी संदिग्ध चीज़ नहीं मिली। यह ईमेल फर्जी पाया गया।

सेंट्रल डिवीजन के अलावा, बेंगलूरु सिटी पुलिस के अन्य पुलिस डिवीजनों में स्थित स्कूलों को भी बम की धमकी वाले ईमेल प्राप्त हुए थे, जो जांच में फर्जी पाए गए।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने मैसूरु में पत्रकारों से बातचीत में कहा, ''मुझे इसकी (स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी की) जानकारी है। मैंने अधिकारियों से जांच करने को कहा है।'' इस तरह की बार-बार मिलने वाली धमकियों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, हम फर्जी खबरों, गलत जानकारी देने, भड़काने आदि के खिलाफ कानून ला रहे हैं। वहीं गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि पुलिस ऐसे धमकी भरे संदेशों को हल्के में नहीं लेगी और उनकी जांच कर रही है।

शुक्रवार को मैसूरु में एक कार्यक्रम में भाग लेते हुए श्री शिवरात्रि देशीकेन्द्र महास्वामीजी, भाजपा के राज्याध्यक्ष विजयेन्द्र येडीयुरप्पा, सांसद यदुवीर वाडियार एवं अन्य।

नवंबर में होगा राज्य में महत्वपूर्ण राजनीतिक उठापटक : विजयेंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने कहा कि नवंबर में राज्य में महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम होना तय है। शुक्रवार को यहां मीडिया से बात करते हुए उन्होंने नेतृत्व परिवर्तन से जुड़े एक सवाल का जवाब दिया। चालबाज़ियों और चालबाजों की भी एक सीमा होती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेता खुद कहते हैं कि सिद्दरामय्या और डी.के. शिवकुमार के बीच कांग्रेस आलाकमान स्तर पर ढाई-ढाई साल के लिए मुख्यमंत्री पद को लेकर सहमति बन गई है। अब ऐसी स्थिति आ गई है कि उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। विजयेन्द्र ने सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि सरकार ढाई साल से सत्ता में है। उसे क्या हासिल हुआ है? राज्य की जनता उसे कोस रही है। प्रशासनिक तंत्र पूरी तरह से चरमरा गया है। उन्होंने शिकायत की कि गारंटी के लिए पैसा नहीं मिल रहा है और वे रेहड़ी-पटरी वालों पर जीएसटी की सीमा तय करने की कोशिश कर रहे हैं। भाजपा एक विपक्षी दल के रूप में प्रभावी ढंग से काम कर रही है। हम संतुष्ट हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने रामनाथ कोविंद को मानद राष्ट्रपति बनाया है। उन्होंने कहा कि अब हमने एक आदिवासी द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनाया है और कांग्रेस व गांधी परिवार ने कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री देवराज अर्स का अपमान करके उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी से हटा दिया था। हालाँकि सिद्दरामय्या इसे भूल गए हैं, लेकिन राज्य की जनता नहीं भूली है। सिद्दरामय्या देवराज अर्स का रिकॉर्ड तोड़ने के लिए आतुर हैं। सिद्दरामय्या को कांग्रेस पार्टी द्वारा देवराज अर्स का किया गया अपमान याद रखना चाहिए। सिद्दरामय्या अपनी कुर्सी बचाने के लिए साधना सम्मेलन कर रहे हैं। क्या सिद्दरामय्या अपनी मुख्यमंत्री की कुर्सी बचाने के लिए कांताराजू रिपोर्ट लेकर सड़कों पर नहीं घूम रहे थे? क्या सिद्दरामय्या ने राहुल गांधी के आदेश पर उस कांताराजू रिपोर्ट को भी कूड़ेदान में नहीं फेंका था? इसलिए, गैर-हिंदू समुदाय उनके लिए सिर्फ़ एक वोट बैंक हैं। उन्होंने आलोचना की कि उस समुदाय के विकास के लिए कोई प्रतिबद्धता या चिंता नहीं है।

बीएमटीसी बस ने सड़क किनारे कैंटीन को टक्कर मारी, एक महिला की मौत, चार घायल

बेंगलूरु/भाषा। बेंगलूरु महानगर परिवहन निगम (बीएमटीसी) द्वारा संचालित एक इलेक्ट्रिक बस के शुक्रवार सुबह पीन्या औद्योगिक क्षेत्र में सड़क किनारे स्थित कैंटीन को कथित तौर पर टक्कर मार देने से एक महिला की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घायलों का यहां विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है।

बीएमटीसी के अनुसार, दुर्घटना सुबह लगभग 8:45 बजे हुई जब बस मैजेस्टिक से पीन्या जा रही थी। चालक ने कथित तौर पर नियंत्रण खो दिया और बस सड़क किनारे एक कैंटीन से टकरा गई, जिससे पैदल यात्री घायल हो गए। दुर्घटना के कारण कैंटीन के पास खड़ी महिला को गंभीर चोटें आईं और लक्ष्मी अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

बीएमटीसी अधिकारियों ने बताया कि चार अन्य घायलों में से दो का मारुति अस्पताल में और अन्य का शिव वेंकटेश्वर अस्पताल में इलाज जारी है। पुलिस और बीएमटीसी के अधिकारियों ने दुर्घटना स्थल का दौरा किया और निरीक्षण किया। पुलिस ने बताया कि घटना की रिपोर्ट पीन्या यातायात पुलिस थाने में दर्ज कर ली गई है और जांच जारी है।

प्रज्ज्वल रेवन्ना के खिलाफ बलात्कार मामले में विशेष अदालत ने फैसला सुरक्षित रखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। विशेष जनप्रतिनिधि अदालत ने हासन के पूर्व सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना के खिलाफ दायर बलात्कार के चार मामलों में से एक में सुनवाई पूरी कर शुक्रवार को अपना फैसला 30 जुलाई के लिए सुरक्षित रख लिया। यह मामला हासन जिले के होलेनरसिपुरा की एक घरेलू सहायिका की शिकायत पर दर्ज किया गया था। रेवन्ना इस मामले में न्यायिक हिरासत में हैं, जिसकी पड़ताल विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा की गई थी और बाद में इसे सीआईडी को सौंप दिया गया था। पुलिस निरीक्षक शोभा ने जांच का नेतृत्व किया और 26 गवाहों के बयान दर्ज करते हुए एक विस्तृत आरोपपत्र दाखिल किया। मुकदमे के दौरान, अदालत ने रेवन्ना और सभी 26 गवाहों का परीक्षण किया। अभियोजन पक्ष और बचाव पक्ष दोनों ने आरोपपत्र की विषयवस्तु के आधार पर अपनी दलीलें पेश कीं। विशेष लोक अभियोजक ने दलील दी कि सबूतों से स्पष्ट रूप से आरोपी का दोषी साबित होता है, जबकि रेवन्ना की कानूनी टीम ने जमानत का अनुरोध करते हुए अभियोजन पक्ष के दावों का खंडन करने का प्रयास किया। हालांकि, रेवन्ना को जमानत नहीं मिल पाई है।

अगरबत्ती उद्योग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और प्रदर्शनी का आयोजन 6 नवम्बर को बेंगलूरु में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय अगरबत्ती उद्योग का प्रतिनिधित्व करने वाली प्रमुख संस्था, अखिल भारतीय अगरबत्ती निर्माण संघ (एआईएएमए) ने 'एआईएएमए एक्सो 2025' की घोषणा की है, जो एक अंतर्राष्ट्रीय अगरबत्ती एक्सपो और सम्मेलन है जो भारत को अगरबत्ती निर्माण के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करेगा। आगामी 6 से 8 नवंबर को त्रिपुरा वासिनी, पैलेस ग्राउंड्स में आयोजित होने वाले इस तीन दिवसीय आयोजन की संकल्पना 'पारंपरिक रूप से आधुनिक' थीम पर आधारित है। यह शीर्ष संस्था एक्सपो के दौरान अगरबत्ती उद्योग के लिए गुणवत्ता चिह्न के रूप में भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) प्रमाणन भी प्रस्तुत करेगी। इस पहल की घोषणा एसोसिएशन के पदाधिकारियों द्वारा की गई। एआईएएमए एक्सपो 2025 के अध्यक्ष और एआईएएमए के तत्काल पूर्व अध्यक्ष और साइकिल प्योर अगरबत्ती के एमडी अर्जुन रंगा, एआईएएमए के उपाध्यक्ष एवं अमृता एरोमैटिक्स के निदेशक कृष्णा टी. वी., एआईएएमए के अध्यक्ष और अंबिका अगरबत्ती अरोमा एंड इंडस्ट्रीज के निदेशक अंबिका रामंजनेयुलु; एआईएएमए के पूर्व अध्यक्ष और बीजू सुगंधी के निदेशक शरथ बाबू पी.एस., तथा एआईएएमए के पूर्व अध्यक्ष और सुगंध लोक के निदेशक सप्तगिरि भोगाराम ने एक प्रपत्र जारी कर इसकी घोषणा शुक्रवार को बेंगलूरु में की। एसोसिएशन द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार, पिछले पाँच वर्षों में भारत और दुनिया भर में प्रार्थना उत्पादों, विशेष रूप से अगरबत्ती की माँग में तेज़ी से वृद्धि हुई है।

इस आयोजन में उद्योग जगत की बेहतरीन पेशकशों का प्रदर्शन किया जाएगा और व्यापक शिक्षण एवं नेटवर्किंग के अवसर प्रदान किए जाएँगे। एक्सपो और सम्मेलन में विविध प्रकार के उत्पादों की मेजबानी की जाएगी, नीतियों, रोज़गार के अवसरों, कच्चे माल की आपूर्ति, उपभोक्ता व्यवहार के रुझानों और नए उत्पादों एवं पैकेजिंग नवाचारों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

आरसीबी भगदड़! सरकार का कुप्रबंधन : डॉ. अश्वत्थनारायण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पूर्व उपमुख्यमंत्री और विधायक डॉ. सीएन अश्वथनारायण ने कांग्रेस सरकार पर कुप्रबंधन करने का आरोप लगाया है। शुक्रवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, उन्होंने कहा कि मैसूर में कांग्रेसियों का एक साधना सम्मेलन आयोजित करने का प्रस्ताव रखा। जनता पर भरोसा करके सबसे ज़्यादा बहुमत हासिल करके सत्ता में आई कांग्रेस पार्टी जनता के साथ विश्वासघात, अन्याय और भ्रष्टाचार करती रही है। उन्होंने आलोचना की कि अपनी स्थापना के बाद से कांग्रेस ने सैकड़ों घोटाले किए हैं। इसने एक भी अच्छा काम नहीं किया है। मैसूरु में होने जा रहे साधना सम्मेलन में झूठ को सच बताया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने खुद स्वीकार किया था कि मैसूरु के प्रसिद्ध मुडा घोटाले और मनी लॉन्ड्रिंग के केस में उन्होंने साइट वापस कर दी है। उन्होंने सवाल किए कि मुख्यमंत्री वाल्मीकि निगम घोटाले के बारे में क्या कहते हैं? क्या वह अधिकारियों की आत्महत्या के बारे में बात करेंगे? क्या वह उनमें से प्रत्येक में कमीशन और दिनदहाड़े लूट के बारे में बताएंगे? उन्होंने सवाल उठाए कि राज्य में विकास कार्यों में कुछ जगहों पर कमीशन बढ़कर 100 प्रतिशत हो गया है। कुछ जगहों पर 80 प्रतिशत, 60 प्रतिशत भ्रष्टाचार उनका है। बिना पैसे के कोई तबादला नहीं होता। उन्होंने बताया कि दलित वर्ग के अधिकारियों द्वारा इस संबंध में कई लोगों ने आत्महत्या की है। उन्होंने शिकायत की कि यह हत्यारों और मौत की सरकार है। आरसीबी की जीत के जश्न के दौरान मची भगदड़ और 11 लोगों की मौत पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि उस विजय उत्सव में कानून-व्यवस्था बनाए रखना किसकी ज़िम्मेदारी है? अगर इजाज़त नहीं थी, तो उपमुख्यमंत्री स्टेडियम क्यों गए? उन्होंने सवाल किया कि स्टेडियम के बाहर लोग मर रहे थे, फिर भी वो कप चूम रहे थे?

दपरे के महाप्रबंधक ने बादामी और कोप्पल रेलवे स्टेशनों का निरीक्षण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) के महाप्रबंधक मुकुल सरन माथुर ने बादामी और कोप्पल रेलवे स्टेशनों के बीच निरीक्षण किया ताकि इस खंड पर प्रमुख सुरक्षा और परिचालन मानकों का आकलन किया जा सके। निरीक्षण का उद्देश्य बुनियादी ढाँचे के कार्यों, स्टेशन पुनर्विकास परियोजनाओं और यात्री सुविधाओं में सुधार की प्रगति की समीक्षा करना था। अपने दौरे के दौरान, उन्होंने कोप्पल रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया, जहाँ उन्होंने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चल रहे बुनियादी ढाँचे और स्टेशन पुनर्विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने यात्री सुविधाओं में सुधार के उद्देश्य से स्वच्छता, पेयजल और अन्य आवश्यक सुविधाओं सहित यात्री सुविधाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। माथुर ने बादामी रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया और अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत कार्यों की प्रगति का आकलन किया। उन्होंने यात्री सुविधाओं में उच्च मानकों को बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने बादामी में निर्माणाधीन माल शेड के निर्माण स्थल का भी दौरा किया और अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए, साथ ही यह सुनिश्चित करने के लिए भी कहा कि गुणवत्ता से कोई समझौता न हो। बादामी दौरे के दौरान, रेलवे संघर्ष समिति के सदस्यों ने महाप्रबंधक का अभिनंदन किया और स्टेशन पर यात्री सुविधाओं में वृद्धि, जिसमें अतिरिक्त ट्रेनों का ठहराव भी शामिल है, का अनुरोध किया।

माथुर के साथ हुब्बल्ली मंडल की मंडल रेल प्रबंधक बेला मीणा, पीसीसीएम एस.पी. शास्त्री, मुख्य महाप्रबंधक/जीएसयू (निर्माण, हुब्बल्ली)संजय कुमार तथा हुब्बल्ली मंडल के अन्य वरिष्ठ शाखा अधिकारी भी मौजूद थे।

कर्नाटक खुद को वैश्विक रणनीतिक अनुसंधान केंद्र के रूप में स्थापित कर रहा : प्रियांक खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक न केवल भारत की नवाचार और निवेश राजधानी है, बल्कि राज्य लगातार खुद को एक वैश्विक रणनीतिक अनुसंधान एवं विकास केंद्र के रूप में स्थापित कर रहा है। कर्नाटक के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री प्रियांक खरगे ने शुक्रवार को यह बात कही। उन्होंने बेंगलूरु में आयोजित सीआईआई कर्नाटक अनुसंधान एवं विकास सम्मेलन 2025 के दूसरे संस्करण में अपने संबोधन में कहा, एक समृद्ध प्रतिभा भंडार, मजबूत बुनियादी ढांचे और प्रगतिशील नीति परिवेश के साथ, हमारा राज्य वैश्विक स्तर पर अनुसंधान और भविष्य की तकनीकों में अग्रणी होने के लिए तैयार है। हम समावेशी नवाचार के लिए प्रतिबद्ध हैं। खरगे के अनुसार अनुसार, इस दृष्टिकोण को सही मायने में साकार करने के लिए, कर्नाटक को उद्योग-अकादमिक साझेदारी को मजबूत करना होगा। इसके अलावा, उन्होंने गहन तकनीक और उभरते क्षेत्रों में निजी निवेश आकर्षित करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, ''हम सब मिलकर कर्नाटक को न केवल अनुसंधान एवं विकास उत्कृष्टता का एक केंद्र बना सकते हैं, बल्कि राज्य परिवर्तनकारी बदलावों की अगुवाई भी कर सकता है।'' सीआईआई कर्नाटक राज्य परिषद के चेयरमैन रवींद्र श्रीकांतन ने कहा कि अनुसंधान एवं विकास सम्मेलन का दूसरा संस्करण कर्नाटक को वैश्विक अनुसंधान एवं विकास केंद्र के रूप में स्थापित करने की सीआईआई की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-(आईआरईपीएस) निविदा सूचना सं. 21 UBL 2025-26 , दिनांक: 10.07.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

क्र.सं.	निविदा सं.	अनुमानित लागत
1	**हुबली विभाग:** सहायक विभागीय इंजीनियर/बेलगावी (बीजीएम) विभाग पर रेसिडेन्शियल बिल्डिंग, सर्वीस बिल्डिंग, जल आपूर्ती नेटवर्क, सड़क और ड्रैनेज के लिए विभिन्न वार्षिक रखरखाव गतिविधियाँ। (विशेष कार्य 5)	रु. 1,92,11,371/-
2	**हुबली विभाग:** सहायक विभागीय इंजीनियर/कैस्टलरॉक (सीएलआर) विभाग पर रेसिडेन्शियल बिल्डिंग, सर्वीस बिल्डिंग, जल आपूर्ती नेटवर्क, सड़क और ड्रैनेज , चमकाना/पेंटिंग के लिए विभिन्न वार्षिक रखरखाव गतिविधियाँ। (विशेष कार्य 6)	रु. 2,14,35,481/-
3	**हुबली विभाग:** सहायक विभागीय इंजीनियर/विजयपुरा क्षेत्राधिकार पर एक साल की अवधि के लिए बादामी - बागलकोट (बीडीएम-बीजीके) (अप व डाऊन लाईनों), बागलकोट - वंडाल (बीजीके-डब्ल्यूडीएल) (एसएल लाईन), बागलकोट - लोकापुर (एसएल लाईन) और वंडाल - होटगी (डब्ल्यूडीएल-एचजी) (अप व डाऊन लाईन) पर ट्रैकों का रखरखाव कार्य।	रु. 5,42,61,868/-
4	**हुबली विभाग:** गदग - होटगी (जीडीजी-एचजी) - टीबीआर - 30.05 किमी.	रु. 1,93,80,898/-
5	**हुबली विभाग:** होसपेटे - बल्लारी (एचपीटी-बीएवाय) सीटीआर (एस) - यार्ड लाईनों पर 2.61 किमी. और टीआरआर(एस) 2.6 किमी.	रु. 1,29,65,802/-
6	**हुबली विभाग:** होसपेटे - व्यासा कॉलोनी - स्वामीहल्ली (एचपीटी - वीसी - एसएमएलआई) विभाग - सीटीआर(एस) - 3.832 किमी.	रु. 1,23,18,942/-

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 11.08.2025, 11:00 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

PUB/303/AAF/PRB/SWR/2025-26 वरिष्ठ विभागीय इंजीनियर / समन्वय / हुबली

अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

शिक्षा का भगवाकरण नहीं भारत का प्रकटीकरण : त्रिवेदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं सांसद डा सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस के शिक्षा के पाठ्यक्रम में परिवर्तन (भगवाकरण) को लेकर उठाये जा रहे सवाल पर पलटवार करते हुए कहा है कि यह भगवाकरण नहीं, भारत का प्रकटीकरण है।

डा त्रिवेदी शुक्रवार को यहां भाजपा की प्रदेश स्तरीय मीडिया कार्यशाला को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने

कहा वर्ष 1947 में अंग्रेजों से आजादी मिली, वर्ष 1977 में हम राजनीतिक रूप से आजाद हुए, 1990 के दशक में हम सांस्कृतिक रूप से आजाद हुए और आज हम वैचारिक लोकतंत्र के रूप में स्थापित हुए है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और वामपंथी लोगों ने पाठ्यक्रमों में इस तरह की विषय वस्तु शामिल करवाई, जिससे भारतीय होने पर ग्लानि और हिन्दू होने पर शर्म महसूस होती हो। क्या कारण है कि महाराणा प्रताप को हारा हुआ पढ़ाया जाता रहा, क्या महाराणा प्रताप युद्ध क्षेत्र में वीर गति को प्राप्त हो गए थे, क्या उन्हें बंदी बना लिया गया था, क्या उन्होंने टैक्स देना स्वीकार किया था, तो फिर कैसे महाराणा प्रताप की पराजय का इतिहास हमारी युवा पीढ़ी को पढ़ाया गया। राणा सांगा के बारे में लुटेरों के लिखें झूठ को इतिहास बनाकर क्यों पढ़ाया गया। आज कांग्रेस के लोग शिक्षा के पाठ्यक्रम में परिवर्तन को लेकर सवाल उठा रहे है कि भगवाकरण हो रहा है, यह भगवाकरण नहीं, भारत का प्रकटीकरण है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन में गुलामी की मानसिकता को स्वीकार करने एवं उसे पुष्पित पल्लवित करने का काम हुआ वहीं भाजपा की सरकारों में भारतीय विचार से प्रेरित 'स्व का तंत्र' स्थापित कर देश का गौरव बढ़ाने का काम किया गया। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद स्थापना से लेकर प्रेरणा तक भारतीय होने वाली भाजपा के शासन को विदेशी समाचार पत्र संडे गार्जियन ने भी भारत का नियति से दूसरी बार साक्षात्कार बताया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कुशल नेतृत्व ही है कि भारत आज अर्थव्यवस्था और स्टॉक एक्सेंज में चौथे नंबर पर है, आटोमोबाइल एवं एयरलाइंस में तीसरे नंबर पर है, मोबाइल निर्माण पर दूसरे नंबर पर है और डिजिटल पेमेंट के मामले में केवल पहले नंबर पर ही नहीं है बल्कि दूनिया का 48 प्रतिशत पेमेंट जो अमेरिका तथा चीन को मिलाकर भी ज्यादा होता है। उन्होंने कहा कि यह वामपंथी मानसिकता ही है जिसने व्यापारियों को बेईमान कहा और लुटेरों को सम्मान दिया। इन विदेशी मानसिकता के इतिहासकारों ने आर्य से लेकर आलू, गोभी, मिर्च -टमाटर तक बाहर से आया बता दिया।

उन्होंने देश में जो अच्छा था उसे बाहर से आया हुआ, जो बुरा था उसे हमारी मानसिकता करार दिया। बुराइयों के लिए हम ही जिम्मेदार हो गए, जब आक्रांताओं के अत्याचार प्रमाण सहित सामने रखे जाते है तो झूठ फैलाया जाता है कि आक्रांताओं को हमने ही बुलाया था। उन्होंने कहा कि बप्पा रावल तुर्की तक गए, हमें नहीं पढ़ाया गया, पृथ्वीराज चौहान ने मोहम्मद गजनी को 17 बार हराया, वह नहीं पढ़ाया गया। उन्होंने कहा कि यह देश का दुर्भाग्य है कि डिस्कवरी आफ इंडिया में गजनी की मथुरा यात्रा का जिक्र करते हुए नेहरू ने उसे कला प्रेमी बता दिया, वहीं महमूद गजनी के दरबारी इतिहासकार अल उतबी ने 'तारीख-ए-यामिनी' नामक पुस्तक में लिखा है कि गजनी ने मथुरा की इमारतों एवं मंदिरों की भव्यता को देखकर कहा था कि ये इंसान की बनाई नहीं हो सकती, इसे देवताओं ने बनाया है, इसलिए इन्हें जमीदोज कर दिया जाए। क्यों देश से नेहरू ने यह सच छुपाया और आक्रांताओं का महिमा मंडन किया।

त्रिवेदी ने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस नेता हिन्दू धर्म पर असहिष्णुता के आरोप लगाते है, 2001 में जब महाकुंभ हुआ, तब सोनिया गांधी ने कुंभ में स्नान किया, केंद्र में अटलजी की सरकार, उत्तर प्रदेश में राजनाथ सिंह मुख्यमंत्री थे किसी ने भी उन्हें नहीं रोका था। इस वर्ष महाकुंभ में 60 लाख विदेशी आए और स्नान किया। श्रद्धा से महाकुंभ को देखा, उनसे किसी ने नहीं पूछा कि तुम्हारा धर्म क्या है, पर श्री राहुल गांधी एक बार बिना धर्म परिवर्तन किए हज यात्रा करके दिखा दें। उनको सहिष्णुता और असहिष्णुता में अंतर पता चल जाएगा।

प्रतिभा का उपयोग राष्ट्रहित में हो : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) को समाज का महत्वपूर्ण अंग बताते हुए कहा है कि देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ सीए ही होते है और जब देश के सभी सीए मिलकर राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ कार्य करेंगे तो वर्ष 2040 तक विश्व की अर्थव्यवस्था में भारत का पहला स्थान होगा।

देवनानी शुक्रवार को यहां राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में जयपुर में पहली बार हो रहे सीए स्टूडेंट टैलेंट सर्च ग्रैंड फिनाले-2025 'समर्थ' का शुभांरभ करने के बाद आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जीएसटी आने के बाद उद्योगपति समूह में सीए की आवश्यकता प्रतिपादित हुई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सुदृढ़ आर्थिक नीतियों के कारण भारत विश्व में आर्थिक शक्ति के रूप में चौथे नंबर आ गया है। निकट भविष्य में भारत विश्व की तीसरी आर्थिक शक्ति बनेगा। उन्होंने कहा कि प्रतिभा को मंच मिलना ही भविष्य निर्माण की पहली सीढ़ी है। सीए जैसे चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में रचनात्मकता और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का यह संगम निश्चित ही प्रेरणादायी है। संख्या और संस्कृति जब मिलती हैं, तब व्यक्तित्व संपूर्ण बनता है। प्रतिभा केवल अंकपत्रों में नहीं होती, वह आत्मा की भाषा होती है। इस मंच से निकलने वाली युवा प्रतिभाओं की ऊर्जा भविष्य के भारत को नया आकार देगी।

देवनानी ने कहा कि उनका जीवन का अधिकांश समय विधार्थियों के साथ निकला है। उनके मन में भी सीए बनने की चाहत थी। देशभर से आये सीए विधार्थियों का देवनानी ने गुलाबी नगर जयपुर में स्वागत किया। उन्होंने कहा कि सीए अपनी प्रतिभा का उपयोग राष्ट्रहित में करें। जैसा चल रहा है, वैसा ही चलता रहेगा ऐसी सोच वाली प्रवृति ठीक नहीं है। सभी आगे बढ़े, तरीके से आगे बढ़े, मिलकर आगे बढ़े और सकारात्मक सोच के साथ राष्ट्रहित में अपनी प्रतिभा का उपयोग करें। उन्होंने कहा कि भारत की सुदृढ़ आर्थिक नीतियों के कारण विश्व में राष्ट्र की धाक जमने लगी है। हमें इस प्रगति को निरंतर बनाये रखने में योगदान देना है। उन्होंने कहा कि विश्व का कोई देश नहीं चाहता कि भारत सिरमोर बनें। इसलिये देश को आगे बढ़ाने में राष्ट्र का प्रत्येक व्यक्ति अपने प्रोफेशन के साथ राष्ट्र के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाने में योगदान करें। राष्ट्र के लिये अपनी प्रतिभा का विस्तार करें और उसका उपयोग करें। श्री देवनानी ने कहा कि अनुभव और मेहनत से सफलता मिलती है। सफलता के लिये समय प्रबंधन के साथ अपनी प्रतिभा का सदुपयोग किया जाना आवश्यक है।

दिलावर ने कोटा जिले में अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों का किया दौरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा/भाषा। राजस्थान के शिक्षा एवं पंचायत राज मंत्री मदन दिलावर ने शुक्रवार को कोटा जिले के रामगंज मंडी विधानसभा क्षेत्र में भारी वर्षा के कारण जल भराव और उत्पन्न बाढ़ के हालत का जायजा लिया। दिलावर ने अपने विधानसभा क्षेत्र के सुकेत कस्बे के पीलिया खाल में जल भराव क्षेत्र का निरीक्षण किया। दिलावर ने नाले के कारण खेतों और बस्ती में पानी भर जाने के कारण अधिकारियों को तुरंत नाले के मौखे बढ़ाने और नाले को चौड़ा करने के निर्देश दिए ताकि बिना रुकावट सुगमता से पानी निकल जाए। वह पैदल ही क्षेत्र का मौका मुआयना करते हुए सुकेत के यादव मौहल्ला पहुंचे जहां गलियों में पानी भरा हुआ था। उन्होंने पानी में उतरकर गलियों जलभराव के हालात का जायजा लिया और लोगों की मुसीबत को समझा।

दिलावर ने अधिकारियों को बंद नाले खोलने और नालों से अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए। साथ ही मौहल्ले वासियों ने बताया कि कब्रिस्तान से सारा पानी बहकर बस्ती में आ रहा है। इस पर दिलावर ने कब्रिस्तान के पानी को दूसरी तरफ डायवर्ट करने के निर्देश दिए। उन्होंने सुकेत के मेहर मौहल्ला, होली का खुट सहित सभी अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। दिलावर ने सातल खेड़ी सहित अन्य अतिवृष्टि प्रभावित स्थानों का भी दौरा कर हालतों का जायजा लिया और राहत एवं बचाव कार्य के निर्देश दिए।

प्रेम प्रसंग के चलते युवती की हत्या

करौली/भाषा। राजस्थान में करौली में टोडाभीम थाना क्षेत्र में पाड़ला गांव में शुक्रवार को प्रेम प्रसंग के कारण एक युवक ने एक युवती की सिर में पत्थर मारकर हत्या कर दी गयी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि पाड़ला गांव में अंतिमा मीना (20) घर में खाना बना रही थी। उसी दौरान एक युवक खेमचंद वहां आया और उसने अंतिमा के सिर पर पत्थर का वार करके उसकी हत्या कर दी। खेत से लौटने पर उसकी माँ ने अपनी बेटी का शव देखा तो शोर मचाकर लोगों को इकट्ठा किया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव टोडाभीम अस्पताल पहुंचाया और शवगृह में रखवा दिया। मृतका की मां ने हत्या के आरोप में खेमचंद को नामजद कराया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि दौसा में बीएसटीसी की पढ़ाई कर रही अंतिमा का आरोपी से प्रेम प्रसंग था। अंतिमा की मां आरोपी से अपनी पुत्री की शादी के लिये तैयार भी थी, लेकिन आरोपी के पिता को यह रिश्ता मंजूर नहीं था। आरोपी युवक खेमचंद ने अंतिमा से अपने साथ भाग चलने को कहा, लेकिन उसने मना कर दिया। इस पर खेमचंद ने उसकी हत्या कर दी।

राजस्थान के अनेक हिस्सों में भारी बारिश का अनुमान

जयपुर/भाषा। मौसम विभाग ने एक अवदाब के क्षेत्र के कारण शुक्रवार को राजस्थान में अनेक जगह भारी से अति भारी बारिश होने का अनुमान जताया है। इसके अनुसार उत्तर-पश्चिम मध्य प्रदेश और समीपवर्ती दक्षिण-पश्चिम उत्तर प्रदेश पर बने अवदाब के क्षेत्र के अगले 24 घंटे में उत्तरपश्चिम मध्य प्रदेश और पूर्वी राजस्थान होते हुए पश्चिम-उत्तर पश्चिम दिशा में आगे बढ़ने की संभावना है। विभाग के अनुसार इस तंत्र के प्रभाव से आज शुक्रवार को कोटा, अजमेर व जोधपुर संभाग के कुछ भागों में भारी, अतिभारी बारिश व कहीं-कहीं अत्यंत भारी बारिश होने की प्रबल संभावना है। विभाग के अनुसार जयपुर, उदयपुर, भरतपुर संभाग में कहीं-कहीं भारी बारिश होने का अनुमान है। राज्य में 20 जुलाई से भारी बारिश की गतिविधियों में कमी दर्ज होने की संभावना है। विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटे में राजस्थान के अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम व एक दो स्थानों पर भारी से अतिभारी बारिश दर्ज की गई। विभाग के अनुसार सर्वाधिक बारिश सांगोद (कोटा) में 166.0 मिलीमीटर दर्ज हुई।

राजस्थान की 1638 अदालतों में न्यायिक कामकाज ठप

जयपुर/भाषा। राजस्थान में करीब 1638 अधीनस्थ अदालतों में न्यायिक कर्मचारियों के सामूहिक अवकाश पर जाने से न्यायिक कामकाज ठप हो गया है। चार दिन से भूख हड़ताल कर रहे न्यायिक कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र नारायण जोशी ने शुक्रवार को बताया कि राज्य के 21 हजार न्यायिक कर्मचारी कैडर पुनर्गठन की लंबित मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन सामूहिक अवकाश पर हैं। ये कर्मचारी पिछले पांच दिनों से जयपुर सत्र न्यायालय परिसर में धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। कर्मचारियों में सरकार की अनदेखी को लेकर रोष व्याप्त है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा अब तक कोई ठोस वार्ता या समाधान प्रस्तुत नहीं किया गया है, जिससे नाराज होकर अब पूरे राज्य के न्यायिक कर्मचारी अनिश्चितकालीन अवकाश पर चले गये हैं। इसका सीधा असर न्यायालयों में लंबित मामलों की सुनवाई, आदेशों की निष्पादन प्रक्रिया और अन्य न्यायिक कार्यों पर पड़ रहा है। इस हड़ताल से न्यायिक प्रक्रिया पूरी तरह ठहर गयी है। जोशी ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आयी है, लेकिन न्यायिक प्रणाली के प्रभावित होने से आमजन और अधिवक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। न्यायिक कर्मचारी संघ ने चेतावनी दी है कि जब तक कैडर पुनर्गठन सहित अन्य मांगों पर स्पष्ट और संतोषजनक कार्रवाई नहीं होती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

छात्राओं के साथ अश्लील वीडियो बनाने वाला अध्यापक हिरासत में

चित्तौड़गढ़/भाषा। राजस्थान में चित्तौड़गढ़ बेंगू थाना क्षेत्र में एक सरकारी शिक्षक द्वारा मासूम बालिकाओं का अश्लील वीडियो वायरल करने का मामला सामने आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरुवार रात बेंगू उपखंड के एक विद्यालय की छात्राओं का अश्लील वीडियो वायरल हुआ जिसमें सरकारी अध्यापक 10 से 12 वर्ष की छात्राओं के साथ विद्यालय में ही अश्लील हरकतें करता दिख रहा है। इस पर आक्रोशित ग्रामीणों ने रात में ही जिला कलेक्टर आलोक रंजन को इस बात की जानकारी दी। इसके बाद पुलिस ने आरोपी अध्यापक को उसके गांव तुरकड़ी से हिरासत में ले लिया। आलोक रंजन के निर्देश पर शुक्रवार को सुबह उपखंड अधिकारी मनस्वी नरेश खंड शिक्षा अधिकारियों एवं पुलिस के साथ उक्त विद्यालय पहुंची और पीड़ित छात्राओं, उनके परिजनों एवं ग्रामीणों के अलग-अलग बयान लिये। ग्रामीणों ने बताया कि आरोपी पिछले तीन चार महीने से ये हरकतें कर रहा था। विभाग की ओर से प्राथमिकी दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है।

बाघों के संरक्षण के लिए टाइगर रिजर्व की निगरानी सुदृढ़ करने के निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राजस्थान के वन राज्यमंत्री संजय शर्मा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार को जैव विविधता संरक्षण एवं बाघों की सुरक्षा को लेकर कटिबद्ध बताते हुए बाघों के संरक्षण के लिए सीसीटीवी, ड्रोन सर्विलांस एवं ई-गश्त प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाते हुए टाइगर रिजर्व की निगरानी को सुदृढ़ किये जाने के निर्देश दिए हैं।

शर्मा शुक्रवार को यहां राज्य में बाघों के संरक्षण एवं टाइगर रिजर्व की प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से गठित राजस्थान बाघ संरक्षण फाउंडेशन के शासी निकाय की तृतीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में अनिल अग्रवाल फाउंडेशन द्वारा रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व में एक करोड़ रुपये मूल्य के पेट्रोलिंग वाहन एवं एंटी-पोचिंग कैंप के लिए किए गए एमओयू का अनुमोदन भी किया गया।

शर्मा ने अधिकारियों से कहा कि रात्रि प्रवास, संवाद कार्यक्रमों एवं जागरूकता अभियानों के माध्यम से स्थानीय समुदायों को टाइगर रिजर्व के नियमों और बाघ संरक्षण के महत्व से अवगत कराया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि अभयारण्यों में आने वाले पर्यटकों के लिए सभी मूलभूत सुविधाएं, स्वच्छता और रखरखाव की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही विभाग की वेबसाइट को अधिक आकर्षक, तेज़ और उपयोगकर्ता अनुकूल बनाया जाए ताकि पर्यटकों को टिकट बुकिंग एवं अन्य सेवाएं पारदर्शी और सहज रूप से प्राप्त हो सकें। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मेधावी छात्र-छात्राओं को पर्यावरण एवं वन्यजीवों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से निःशुल्क भ्रमण कार्यक्रमों की व्यवस्था की जाए। साथ ही अभयारण्यों से जुड़ी सड़कों के मरम्मत एवं चौड़ीकरण कार्यों को भी नियमानुसार शीघ्र पूर्ण किया जाये।

बैठक में बताया गया कि मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए बाड़बंदी, शीघ्र मुआवजा वितरण एवं स्थानीय समुदायों के साथ समन्वय जैसे कदम उठाए जा रहे हैं। वन विभाग के कार्मिकों एवं टाइगर रिजर्व से सटे क्षेत्रों के स्थानीय निवासियों के लिए जीवन बीमा भी किये जा रहे है।

बैठक में रणथम्भौर, सरिस्का, रामगढ़ विषधारी, धौलपुर एवं मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व में बाघों की वर्तमान संख्या, उनके मूवमेंट पैटर्न, मानव-वन्यजीव संघर्ष की स्थिति, निगरानी व्यवस्था में तकनीकी संसाधनों का उपयोग तथा बाघ संरक्षण से जुड़ी प्रमुख योजनाओं और भावी रणनीतियों पर चर्चा की गई।

बैठक में उपस्थित सदस्यों द्वारा दिए गए सुझावों के आधार पर आगामी कार्ययोजना तैयार की गई। साथ ही बाघों के व्यवहार, स्वास्थ्य निगरानी, रेडियो कॉलर ट्रैकिंग एवं कॉरिडोर की स्थिति की गहन समीक्षा की गई।

अहमदाबाद विमान हादसे की

सच्चाई के लिए बिठाया जाना चाहिए न्यायिक आयोग : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने कहा है कि अहमदाबाद विमान हादसे की पूरी सच्चाई सामने लाने एवं हवाई यात्रा पर आमजन का भरोसा जमाने के लिए केन्द्र सरकार को उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में न्यायिक आयोग बिठाना चाहिए।

गहलोत ने शुक्रवार को अपने बयान में यह बात कही। उन्होंने कहा कि इस आयोग में भारतीय वायुसेना ने वरिष्ठ अधिकारी एवं एविएशन सेक्टर के विशेषज्ञ शामिल हो जो इस हादसे के हर पहलू की जांच कर सच सामने ला सकें।

इस हादसे पर आई एएआईबी की रिपार्ट के बाद पूरी दुनिया में आशंकाएं बढ़ गई हैं। सबके मन में यह भावना है कि पायलट अपना पक्ष रखने के लिए जीवित नहीं हैं, इसलिए उन्हें आरोपित करना सबसे आसान है। कई एक्सपर्ट की राय है कि इतने अनुभवी पायलट जो पूर्णतः स्वस्थ हैं वो जानबूझकर फ्यूल स्विच बन्द क्यों करेंगे। मैं पूर्व में सिविल एविएशन मंत्री रहा हूं। मेरे मन में भी इस रिपोर्ट को लेकर शंकाएं हैं।

इस हादसे को एक महीना बीत जाने के बाद भी मीडिया, सोशल मीडिया एवं वैश्विक एविएशन जगत में इस हादसे को लेकर तमाम चर्चाएं चल रही हैं। सभी देशवासी उद्वेलित हैं कि इतने लोगों की जान किस कारण गई।

नौ लाख रुपये की रिश्वत लेते नारकोटिक्स अधिकारी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चित्तौड़गढ़/भाषा। राजस्थान के सबसे बड़े अफीम उत्पादक क्षेत्र चित्तौड़गढ़ में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने एक अफीम तस्कर से जब्त डोडा चूरा मामले में नौ लाख रुपये की रिश्वत लेते नारकोटिक्स विभाग, नीमच के एक अधिकारी एवं उसके दलाल को गिरफ्तार किया है।

सीबीआई के सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि 15 जुलाई को परिवादी ने शिकायत की कि उसके खेत से नारकोटिक्स विभाग, नीमच (मध्यप्रदेश) के दल ने चार सौ किलो अवैध अफीम डोडा चूरा बरामद किया और उसके परिवार के अन्य सदस्यों को इस मामले में फंसाने की धमकी देते हुए नारकोटिक्स अधिकारी महेंद्र सिंह, निवासी, रिंगस जिला सीकर ने एक करोड़ रुपये की रिश्वत मांगी है। उसने दलाल जगदीश मेनारिया नामक व्यक्ति से सम्पर्क करने को कहा है।

सूत्रों ने बताया कि सत्यापन के दौरान रिश्वत के नौ लाख रुपये आज श्री सांवलियाजी में देने पर सहमति हो गयी। इस पर ब्यूरो के दल ने जाल बिछाकर सांवलिया जी में सुबह वहां मौजूद दलाल मेनारिया को परिवादी से रिश्वत राशि लेते दबोच लिया। एक अन्य दल ने नारकोटिक्स अधिकारी महेंद्र सिंह को भी पकड़ लिया।

सूत्रों ने बताया कि पूछताछ में इस रिश्वत कांड में नारकोटिक्स विभाग के अन्य अधिकारी, कार्मिकों एवं क्षेत्र में फैले इनके दलालों की जानकारी मिली है। इस पर उन्हें भी ब्यूरो ने नामजद कर लिया है। सीबीआई का दल दोनों को दोपहर बाद मंडफिया न्यायालय में पेश करके ट्रांजिट रिमांड पर अपने साथ जयपुर ले गया ।

संदिग्ध हालत में व्यक्ति की मौत, हत्या की आशंका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बारां/भाषा। राजस्थान में बारां के कोतवाली थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति की संदिग्ध हालत में मौत हो गयी।

पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि बालाजी नगर स्थित अन्नपूर्णा माता मंदिर के पास एक मकान में गुरुवार रात एक व्यक्ति का शव मिला। मृतक के शरीर पर चोट के निशान मिले, इससे व्यक्ति की हत्या होने की आशंका है। पुलिस अधीक्षक राजकुमार चौधरी ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कोतवाली पुलिस के मुताबिक अनुज पंकज (55) रात को घर से बाहर निकला था। देर रात एक महिला परिचित ने उसके परिवार को सूचना दी की अनुज की तबीयत खराब है। ऐसे में जब परिजन महिला के घर पहुंचे तो अनुज एक कमरे में बेहोश पड़ा था। परिजन उसे तुरंत राजकीय जिला अस्पताल ले गये, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि मृतक के शरीर पर नाखून और चोटों के जख्म थे। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है।

सोशल मीडिया पर कांवड़ियों को बदनाम करने के प्रयास किए जा रहे : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांवड़ियों को लेकर पिछले दिनों हुई घटनाओं के संदर्भ में उनका पुरजोर बचाव करते हुए शुक्रवार को कहा कि कुछ लोग सोशल मीडिया पर फर्जी खाते बनाकर कांवड़ यात्रियों को बदनाम करने का प्रयास कर रहे हैं और उन्हें आतंकी और उपद्रवी तक कहा जा रहा है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा, लेकिन यहां 'मीडिया ट्रायल' होता है। कांवड़ियों को बदनाम किया जाता है और खूब उसके बारे में लिखा जाता है। उन्हें उपद्रवी और आतंकवादी तक बोलने का दुस्साहस किया जाता है। यह वह मानसिकता है जो भारत की हर प्रकार की विरासत को अपमानित करना चाहती है। उन्होंने कहा कि ये वही लोग हैं जिन्होंने जनजातीय समुदाय को भारत से अलग करने का प्रयास किया, उन्हें भड़काने का काम किया है तथा उन्हें भारत के खिलाफ संघर्ष करने के लिए उकसाने का हर स्तर पर षड़यंत्र किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह वही समुदाय है जो भारत की आस्था का सदैव अपमान करता है और यही लोग सोशल मीडिया मंच पर फर्जी अकाउंट बनाकर जातीय संघर्ष की स्थिति पैदा करना चाहते हैं। उन्होंने तीन वर्ष पहले की एक घटना का उल्लेख करते हुए कहा, एक जगह

आगजनी की घटना हुई। मैंने कहा कि इस घटना की प्रकृति दिखाती है कि इस समुदाय ने यह घटना नहीं की होगी। मैंने पुलिस से पूरा वीडियो फुटेज निकालने को कहा। फुटेज में सामने आया कि आगजनी करने वाला एक व्यक्ति केसरिया गमछा बांधे हुए था और आगजनी करते समय अचानक उसका गमछा निकला और उसके मुंह से निकल पड़ा या अल्लाह। मैंने कहा, हिंदुओं को बदनाम करने के लिए किस शरारत के तहत केसरिया गमछा बांधकर एक व्यवस्था को अपमानित किया जा रहा है। यह घटना दिखाती है कि ये कौन लोग हैं जो फर्जी अकाउंट बनाकर जातीय संघर्ष की स्थिति पैदा करना चाहते हैं। यह सावन का महीना है तथा इससे ठीक पहले मोहर्रम का आयोजन हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा, हमने व्यवस्था बनाई और कहा कि ताजिया की ऊंचाई इससे अधिक नहीं रखना। अधिक ऊंचाई रहने पर आप पेड़ की टहनियां काटने, किसी के मकान का बारजा हटाने, हाईटेंशन तार हटाने की मांग करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, एक आयोजन के लिए हम हाईटेंशन तार, घर का बारजा नहीं हटा सकते और 40-50 वर्ष में तैयार होने वाले वृक्ष की टहनियां नहीं काट सकते। एक बड़े तबके लिए बिजली का तार हटाकर बिजली आपूर्ति बाधित करना उनके साथ अन्याय है जो बिजली के बिल का भुगतान कर रहे हैं। उन्होंने कहा, जौनपुर में उन्होंने (मुसलमानों ने) एक बड़ा ताजिया उठाया और हाईटेंशन की चपेट में आने से तीन लोग मर गए। बाद में उन्होंने रास्ता जाम किया। पुलिस ने पूछा क्या करें, मैंने कहा कि मारकर बाहर करो इनको क्योंकि ये लातों के भूत हैं, बातों से नहीं मानेंगे। इन्होंने कहने के बावजूद ताजिये की ऊंचाई बढ़ाई जिससे ये तार की चपेट में आए। मुख्यमंत्री ने कहा, उत्तर प्रदेश में हमने मोहर्रम के लिए यह व्यवस्था बनाई है कि आप अस्त्र-शस्त्र का प्रदर्शन नहीं करेंगे।

जनजातीय समाज हर कालखंड में सनातन धर्म की रक्षा के लिए खड़ा रहा है : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनजातीय समाज को भारत की सनातन परंपरा का आधार बताते हुए कहा कि यह समाज हर कालखंड में देश की रक्षा और संस्कृति के संरक्षण के लिए अग्रिम पंक्ति में खड़ा रहा है। अपने दो दिवसीय वाराणसी दौरे के दौरान शुक्रवार को यहां जनजातीय गौरव बिरसा मुंडा पर आधारित राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा, जब भगवान राम वनवास में थे और माता सीता का अपहरण हुआ, तब उनके पास अयोध्या या जनकपुर की सेना नहीं थी। उस समय जनजातीय समाज ने उनके साथ मिलकर रावण के खिलाफ युद्ध लड़ा। उन्होंने कहा, इसी तरह महाराणा प्रताप ने अरावली के जंगलों में भटकते हुए जनजातीय समाज के सहयोग से अपनी सेना का पुनर्गठन किया और अकबर से युद्ध किया। छत्रपति शिवाजी ने भी वनवासी समाज के सहयोग से हिंदवी साम्राज्य की स्थापना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों की कमी रही है कि वे जनजातीय समाज तक शासन की सुविधाएं और संवाद नहीं पहुंचा सकीं लेकिन भाजपा सरकार ने 2017 के बाद जनजातीय गांवों को राजस्व गांव का दर्जा दिया, राशन कार्ड, जमीन के पट्टे और पेंशन जैसी सुविधाएं दीं तथा सोनभद्र, चंदौली, मीरजापुर और नेपाल की तराई में जनजातीय समाज को कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा। योगी आदित्यनाथ ने जनजातीय समाज को सनातन परंपरा का सच्चा प्रतिनिधि बताते हुए कहा, यह समाज वेदों की शिक्षाओं को अपने जीवन में उतारता है। हम पेड़ों और नदियों की पूजा करते हैं, लेकिन उन्हें काटने या उन पर कब्जा करने में संकोच नहीं करते। लेकिन जनजातीय समाज ने प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर वेदों की शिक्षाओं को जीया है। उन्होंने कहा, भारत की परंपरा में यह कभी नहीं कहा गया कि मंदिर जाने वाला या ग्रंथ मानने वाला ही हिंदू है। जो मानेगा, वह भी हिंदू है और जो नहीं मानेगा, वह भी हिंदू है। चार्वाक और भगवान बुद्ध ने वेदों को नहीं माना, फिर भी हमारे लिए पूज्य हैं, तो फिर जनजातीय समाज के साथ यह प्रश्न क्यों खड़ा किया जाता है?

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में घोषित करने की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने जनजातीय समाज के मन में विश्वास पैदा किया है। उन्होंने यह भी बताया कि उनकी सरकार ने कोल जनजाति जैसे समुदायों को योजनाओं से शत-प्रतिशत जोड़ने का काम किया है।

महिलाओं को रूढिवादी रीति-रिवाजों और परंपराओं से मुक्त किया जाना चाहिए : भागवत

पुणे/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि किसी भी राष्ट्र की प्रगति के लिए महिलाओं का सशक्तिकरण आवश्यक है और उन्हें (महिलाओं को) रूढिवादी रीति-रिवाजों एवं परंपराओं से मुक्त किया जाना चाहिए। महाराष्ट्र के सोलापुर में गैर-लाभकारी संगठन उद्योगवर्धनी की ओर से आयोजित कार्यक्रम में भागवत ने कहा कि महिलाएं किसी भी समाज का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

उन्होंने कहा, एक पुरुष अपनी मृत्यु तक काम करता है। एक महिला भी अंत तक काम करती है, लेकिन उससे भी आगे वह आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती है। एक महिला के प्यार और स्नेह के तले बच्चे बढ़ते और परिपक्व होते हैं। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि राष्ट्रीय विकास के लिए महिलाओं का सशक्तिकरण बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, ईश्वर ने महिलाओं को कुछ अतिरिक्त गुण दिए हैं, जिससे वे वह काम कर सकती हैं, जो पुरुष नहीं कर सकते।

साथ ही, ईश्वर ने महिलाओं को वे सभी गुण दिए हैं, जो उन्होंने पुरुषों को दिए हैं, जिसके कारण वे वह सब कुछ कर सकती हैं, जो पुरुष कर सकते हैं।

भागवत ने कहा कि इसलिए पुरुषों का यह दावा करना मूर्खता है कि वे महिलाओं का उत्थान करेंगे। उन्होंने कहा, इस तरह के अहंकार का कोई आधार नहीं है। महिलाओं को वह करने दें, जो वे करना चाहती हैं। बस उन्हें सशक्त बनाएं और उन्हें रूढिवादी रीति-रिवाजों एवं परंपराओं से मुक्त करें। जब एक महिला खुद का उत्थान करती है, तो वह पूरे समाज को ऊपर उठाती है। आरएसएस प्रमुख ने महिलाओं को सशक्त एवं मजबूत बनाने में उद्योगवर्धिनी के योगदान की सराहना भी की।

झाड़ग्राम में एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने से तीन हाथियों की जान गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

झाड़ग्राम/भाषा। पश्चिम बंगाल के पश्चिमी मिदनापुर जिले में बांसतला रेलवे स्टेशन के पास एक एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आकर तीन हाथियों की जान चली गई। हाथियों के दो बच्चों सहित तीनों हाथी पटरी पर कुचलकर मारे गए। पुलिस ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि यह घटना बृहस्पतिवार रात को हुई। जब संभवत: झारखंड के डालमा जंगल से आया हाथियों का झुंड जंगल से गुजर रहा था।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि खड़गपुर-टाटानगर सेक्शन पर तेज गति से आ रही जनशताब्दी एक्सप्रेस ने तीन हाथियों को पटरी पर कुचल दिया। उन्होंने बताया कि उस इलाके से 30 हाथियों का झुंड गुजरने के कारण कुछ समय तक मृत हाथियों के पास तक जाना मुश्किल हो गया था। जांच जारी है।

राजद ने गरीबों को नौकरी देने से पहले उनकी जमीन हड़प लीं : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मोतिहारी/भाषा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि राजद युवाओं को रोजगार देने के बारे में नहीं सोच सकती क्योंकि इसी पार्टी ने नौकरी देने से पहले गरीब लोगों की जमीन हड़प ली। उन्होंने कांग्रेस-राजद गठबंधन पर गरीबों और सामाजिक रूप से पिछड़े लोगों के नाम पर राजनीति करने का भी आरोप लगाया। आगामी विधानसभा चुनाव से पहले मोतिहारी में प्रधानमंत्री ने नया नारा दिया, बनाएंगे नया बिहार, फिर एक बार एनडीए सरकार। ये सुनकर वहां मौजूद लोग नारे लगाने लगे और पार्टी कार्यकर्ताओं में जोश भर गया और भीड़ के बीच नारे गूंज उठे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने बिहार की धरती से ऑपरेशन सिंदूर का संकल्प लिया था और दुनिया ने इसकी सफलता देखी है। प्रधानमंत्री ने कहा, राजद युवाओं को रोजगार देने के बारे में सोच भी नहीं सकती, क्योंकि उसने गरीबों को रोजगार देने से पहले उनकी जमीनें हड़प लीं। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य में राजद-कांग्रेस शासन के दौरान विकास

कोसों दूर हुआ करता था।

प्रधानमंत्री ने कहा, उन्होंने कभी गरीबों की भलाई के बारे में नहीं सोचा। उन्होंने केवल गरीबों और सामाजिक रूप से पिछड़े लोगों के नाम पर राजनीति की। युवाओं के लिए और अधिक अवसरों का वादा करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार देश भर में नौकरियां और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए एक लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगी। मोदी ने यह भी कहा कि पूर्वी भारत के समग्र विकास के लिए 'विकसित बिहार' जरूरी है और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) राज्य के समग्र विकास को लेकर प्रतिबद्ध है।

प्रधानमंत्री मोदी की सलाह पर मुफ्त बिजली योजना की घोषणा की : नीतीश कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मोतिहारी/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को यह कहा कि राज्य में 125 यूनिट मुफ्त बिजली देने का निर्णय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सलाह के अनुरूप लिया गया है। जनता दल यूनाइटेड (जदयू)अध्यक्ष कुमार ने यह टिप्पणी पूर्वी चंपारण जिले के मुख्यालय मोतिहारी शहर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए की। इस जनसभा में उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के साथ मंच साझा किया। प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर 7,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं की शुरुआत की।

बिहार के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने का रिकॉर्ड बनाने वाले कुमार ने बृहस्पतिवार को राज्य में हर महीने 125 यूनिट मुफ्त बिजली देने की घोषणा की थी। मुख्यमंत्री ने जनसभा में कहा, ''लोगों को अब बिजली के लिए कोई भुगतान नहीं करना होगा। सर (प्रधानमंत्री) के जाने के बाद, हम वापस (पटना में) आएंगे और आवश्यक मंजूरी देंगे। यही कारण है कि आज दिन में बाद में कैबिनेट की बैठक बुलाई गई है।'' कुमार ने आगामी विधानसभा चुनाव जीतने और लगातार पांचवीं बार सत्ता में आने का भरोसा जताया है। उन्होंने

कहा, हम उनका बहुत सम्मान करते हैं और हम उनकी सलाह के अनुरूप काम कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के साथ मुख्यमंत्री कुमार के कई वर्षों में उतार-चढ़ाव वाले संबंध रहे हैं। प्रधानमंत्री ने नीतीश की टिप्पणी का हाथ जोड़कर जवाब दिया। सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सैद्धांतिक रूप से मुफ्त की योजनाओं के खिलाफ रही है। हालांकि, उसकी इस घोषणा को राष्ट्रीय जनता दल (राजग) नीत विपक्षी इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस'(इंडिया गठबंधन) की ओर से सत्ता में आने पर 200 यूनिट मुफ्त बिजली'देने के वादे के जवाब के रूप में देखा जा रहा है।

उपमुख्यमंत्री और वित्त विभाग का कार्यभार संभाल रहे भाजपा नेता सम्राट चौधरी ने इस कदम का बचाव करते हुए कहा, यह कोई मुफ्त की सुविधा नहीं है। यह 100 प्रतिशत सब्सिडी है, जो सरकार उपलब्ध कराएगी।

कर विभाग ने आईटीआर-दो दाखिल करने के लिए ऑनलाइन सुविधा शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कर योग्य पूंजीगत लाभ आय वाले व्यक्ति और हिंदू अविभाजित परिवार अब वित्त वर्ष 2024-25 के लिए आयकर रिटर्न आईटीआर-2 दाखिल कर सकते हैं। आयकर विभाग ने सोशल मीडिया मंच एक्स' पर लिखा, ''आईटीआर-2 आयकर रिटर्न फॉर्म अब ई-फाइलिंग पोर्टल पर पहले से भरे हुए आंकड़ों के साथ ऑनलाइन माध्यम से दाखिल किए जा सकते हैं।''

आईटीआर-2 उन व्यक्तियों और हिंदू अविभाजित परिवारों (एचयूएफ) द्वारा दाखिल किये जाते हैं, जिन्हें पूंजीगत लाभ से आय होती है, लेकिन व्यवसाय या पेशे से कोई आय नहीं होती है।

पिछले महीने, कर विभाग ने आईटीआर-1 और आईटीआर-4 दाखिल करने के लिए ऑनलाइन सुविधा शुरू की थी, जो छोटे और मझोले करदाताओं के लिए सरल फॉर्म हैं।

सरकार ने पहले ही उन व्यक्तियों और संस्थाओं द्वारा आकलन वर्ष 2025-26 (वित्त वर्ष 2024-25) के लिए आईटीआर दाखिल करने की समय सीमा 31 जुलाई से बढ़ाकर 15 सितंबर कर दी है, जिन्हें अपने खातों का ऑडिट नहीं कराना है।

संभल : राहुल गांधी के विवादित बयान मामले में अगली सुनवाई 25 अगस्त को

संभल/भाषा। संभल जिले की एक अदालत ने विवादित बयान मामले में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के खिलाफ अगली सुनवाई की तारीख 25 अगस्त तय की है। एक अधिवक्ता ने यह जानकारी दी।

संभल जिले में चंदौसी स्थित अपर जिला सत्र न्यायाधीश (एडीजे-द्वितीय) आरती फौजदार ने शुक्रवार को बार एसोसिएशन के चुनाव के नामांकन के चलते अदालत में कार्य न होने से मामले की सुनवाई के लिए 25 अगस्त की तारीख तय की।

राहुल गांधी पक्ष के अधिवक्ता सगीर सैफी ने पीटीआई-भाषा' को बताया कि आज चंदौसी स्थित अदालत में बार एसोसिएशन के नामांकन होने के चलते कामकाज ठप था, जिसके चलते एडीजे द्वितीय आरती फौजदार ने इस मामले में अगली तारीख 25 अगस्त तय की है और उस दिन इस मामले की सुनवाई होगी। याचिकाकर्ता हिंदू शक्ति दल के अध्यक्ष सिमरन गुप्ता ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गांधी पर आरोप लगाया है, 15 जनवरी को नेता प्रतिपक्ष ने दिल्ली कांग्रेस कार्यालय के उद्घाटन पर कहा था कि हमारी लड़ाई बीजेपी-आरएसएस से नहीं, 'इंडिया स्टेट' से है।

राज्यों को असाध्य रोगों से पीड़ित कैदियों की रिहाई के लिए एक समान योजना बनानी चाहिए : न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि जेल नियम राज्यों पर अलग-अलग लागू होते हैं और उन्हें असाध्य रोगों से पीड़ित कैदियों की रिहाई के लिए एक समान नियम बनाने चाहिए। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) की उस याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया, जिसमें असाध्य रोगों से पीड़ित या 70 वर्ष से अधिक आयु के कैदियों के एक समूह को जेल से रिहा करने का अनुरोध किया गया था। केंद्र ने दावा किया कि इस मुद्दे पर एक मानक संचालन प्रक्रिया तैयार की जा चुकी है और यह रिकॉर्ड में मौजूद है। पीठ ने कहा, ''अंततः, जेल नियम सभी राज्यों पर अलग-अलग लागू होते हैं। सभी राज्यों को समान जेल नियम बनाना होगा, जिसमें असाध्य रोगों से पीड़ित कैदियों की रिहाई पर विचार करना चाहिए।''

केंद्र की ओर से न्यायालय में उपस्थित अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि सरकार असाध्य रोगों से पीड़ित कैदियों को लेकर चिंतित है और सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को एसओपी में ऐसे कैदियों के प्रभावी प्रबंधन के लिए कदम उठाने की सलाह दी गई है। सरकार ने कहा कि राज्य या केंद्र शासित प्रदेश ''आम माफी'' के तहत ऐसे कैदियों की रिहाई पर भी विचार कर सकते हैं। पीठ ने ''दुरुपयोग की संभावना'' को चिह्नित करते हुए कहा कि ऐसे कैदियों और रिहाई के लाभ के हकदार लोगों के इलाज के मानक पर दिशानिर्देश होने चाहिए। याचिकाकर्ता के वकील ने नालसा की मानक संचालन प्रक्रिया का हवाला दिया और कहा, हमने परिभाषित किया है कि किसे असाध्य रूप से बीमार कैदियों की श्रेणी में रखा जाना चाहिए और इसे संबंधित जेल के चिकित्सा अधिकारी द्वारा प्रमाणित किया जाएगा। इस पर पीठ ने टिप्पणी की, चिह्नित करना अलग बात है, लेकिन प्रमाणीकरण ही असली समस्या है। इसके दुरुपयोग की बहुत संभावना है। भाटी ने कहा कि केंद्र की मानक संचालन प्रक्रिया में इसके लिए एक मेडिकल बोर्ड गठित करने की बात कही गई है। दिल्ली सरकार की ओर से भी पेश हुए विधि अधिकारी ने कहा कि एक कैदी 1985 से दमा (अस्थमा) से पीड़ित है। नालसा के वकील ने कहा कि केरल में 94 वर्षीय एक कैदी है। पीठ ने उन कैदियों पर भी विचार-विमर्श किया जिन्हें उनके नैसर्गिक जीवन तक आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। न्यायमूर्ति मेहता ने कहा, ''जयपुर केंद्रीय कारागार में ऐसे कैदियों की संख्या अनगिनत है जिन्हें बम विस्फोट मामलों में दोषी करार दिया गया है ... उनमें से एक की शायद कुछ महीने पहले ही मृत्यु हो गई। वह एक डॉक्टर थे, जिनकी उम्र 104 वर्ष थी।'' उत्तर प्रदेश सरकार के वकील ने कहा कि राज्य ने 2018 में तैयार की गई अपनी नीति में, असाध्य रोगों से पीड़ित लोगों के लिए कुछ विशिष्ट प्रावधान शामिल किए थे, जिसमें एक मेडिकल बोर्ड गठित करने का प्रावधान था। पांच मई को, शीर्ष अदालत ने इस याचिका पर केंद्र और बिहार तथा उत्तर प्रदेश सहित 18 राज्यों से जवाब मांगा था।

पति से संबंध बनाने से इनकार, विवाहेत्तर संबंध रखने का संदेह करना तलाक का आधार : उच्च न्यायालय

मुंबई/भाषा। मुंबई उच्च न्यायालय ने एक परिवार अदालत के तलाक संबंधी आदेश को चुनौती देने वाली महिला को राहत देने से इनकार करते हुए कहा कि पति के साथ शारीरिक संबंध बनाने से इनकार करना और उस पर विवाहेत्तर संबंध रखने का संदेह करना क्रूरता है, इसलिए यह तलाक का आधार है। न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और नीला गोखले की खंडपीठ ने बृहस्पतिवार को कहा कि महिला के आचरण को उसके पति के प्रति क्रूरता'' माना जा सकता है।

अदालत ने महिला की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उसने परिवार अदालत के आदेश को चुनौती दी थी। उक्त आदेश में, पति की तलाक याचिका को मंजूरी दी गई थी। महिला ने याचिका में अपने पति से एक लाख रुपये मासिक गुजारा भत्ता दिलाने के लिए निर्देश देने का अनुरोध किया था। इस जोड़े की शादी 2013 में हुई थी, लेकिन दिसंबर 2014 में वे अलग रहने लगे।

न्यायालय ने 'ओपिनियन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म' पर प्रतिबंध संबंधी जनहित याचिका अपने पास स्थानांतरित की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने अवैध सट्टेबाजी और जुए की गतिविधियों को कथित रूप से बढ़ावा देने वाले 'ओपिनियन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म' पर प्रतिबंध लगाने संबंधी चार जनहित याचिकाओं को विभिन्न उच्च न्यायालयों से बृहस्पतिवार को अपने पास स्थानांतरित कर लिया।

न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने प्रोबो मीडिया टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड' की एक स्थानांतरण याचिका पर यह आदेश पारित किया। यह कंपनी एक ऐसे ही 'ओपिनियन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म' का संचालन करती है। पीठ ने अपने आदेश में विभिन्न उच्च न्यायालयों में लंबित याचिकाओं के संबंध में तथ्यात्मक स्थिति का उल्लेख किया। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने दलील दी कि मुंबई उच्च न्यायालय में दो जनहित याचिकाएं लंबित हैं, जबकि तीसरी जनहित याचिका गुजरात उच्च न्यायालय में और चौथी याचिका छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में लंबित है। सिंघवी ने कहा कि अन्य उच्च न्यायालयों से जनहित याचिकाएं मुंबई उच्च न्यायालय में स्थानांतरित की जा सकती हैं।

पीठ ने इस दलील को खारिज करते हुए कहा, ''इन चारों जनहित याचिकाओं पर इस न्यायालय को सुनवाई करनी चाहिए... हम मुंबई, गुजरात और छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालयों को निर्देश देते हैं कि वे सभी रिट याचिकाओं को पूरे रिकॉर्ड के साथ जल्द से जल्द इस न्यायालय में स्थानांतरित करें। इन चारों जनहित याचिकाओं के इस न्यायालय में स्थानांतरित हो जाने के बाद, रजिस्ट्री भारत के प्रधान न्यायाधीश के निर्देशानुसार इस न्यायालय के समक्ष अधिसूचित करेगी।'' एक जनहित याचिका में मूल याचिकाकर्ता सुमित कपूरभाई प्रजापति की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव अग्रवाल पेश हुए। अग्रवाल ने कहा कि याचिकाओं में उठाए गए मुद्दे एक जैसे नहीं हैं, खासकर छत्तीसगढ़ में, जो जुए से संबंधित विधायी ढांचे पर सवाल उठाता है। उन्होंने कहा कि केवल एक ही याचिकाकर्ता की उपस्थिति सभी मामलों को एक साथ लाने का आधार नहीं होनी चाहिए। शीर्ष अदालत ने 22 मई को कंपनी (प्रोबो मीडिया) की स्थानांतरण याचिका पर नोटिस जारी किया।

पीठ ने तब कहा, ''चूंकि हमने नोटिस जारी कर दिया है और (हम) मूल याचिकाकर्ताओं की बात सुनना चाहते हैं... इसलिए गुजरात उच्च न्यायालय और छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में लंबित जनहित याचिकाओं पर फिलहाल सुनवाई नहीं हो सकती।'' ऑनलाइन मार्केट प्लेस जैसे ओपिनियन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म उपयोगकर्ताओं को वास्तविक दुनिया की घटनाओं के बारे में पूर्वानुमान लगाने में सक्षम बनाते हैं। प्रतिभागी इस बात पर दांव लगाते हैं कि क्या विशिष्ट परिणाम घटित होंगे, जो आमतौर पर ''हाँ'' या ''नहीं'' प्रश्नों के रूप में प्रस्तुत किए जाते हैं।

सुविचार

बिना पाखण्डी और कायर बने सबको प्रसन्न रखो। पवित्रता और शक्ति के साथ अपने आदर्श पर दृढ रहो और फिर तुम्हारे सामने कैसी भी बाधाएँ क्यों न हो, कुछ समय बाद संसार तुमको मानेगा ही।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तकनीक का कमाल, भ्रम का जाल!

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या द्वारा अपने फेसबुक पेज पर की गई एक पोस्ट का ट्रांसलेशन फीचर ने जिस तरह अंग्रेजी अनुवाद किया, उससे भारी भ्रम फैला। बेशक मशीनी अनुवाद से कई काम आसान हो गए हैं, लेकिन एक गलत अनुवाद अर्थ का अनर्थ कर सकता है। इससे लोगों में भ्रम और भय का माहौल बन सकता है। उक्त घटना से जाहिर होता है कि मशीनी अनुवाद पर पूरी तरह निर्भर होने में बहुत जोखिम है। वहां मामूली गलती से बड़ा नुकसान हो सकता है। इन दिनों एआई को 'जादू की छड़ी' की तरह पेश कर इसमें हर समस्या का समाधान ढूंढ़ा जा रहा है। कुछ वर्षों बाद इसकी भी गंभीर खामियां सामने आने लगेंगी। मशीन, सॉफ्टवेयर, एआई आदि का महत्त्व है, रहेगा, लेकिन ये मनुष्य की बुद्धि एवं विवेक का विकल्प नहीं बन सकते। कुछ महीने पहले सोशल मीडिया पर वायरल एक ख़बर ने एआई से जुड़ीं चिंताओं की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित किया था। एक एआई टूल का दावा है कि उसकी मदद लेंगे तो किसी भी भाषा में टाइपिंग की जरूरत ही नहीं रहेगी। आप बोलते जाएं, वह हू-ब-हू टाइप कर देगा। उसकी मदद से एक व्यक्ति ने किसी धार्मिक कार्यक्रम की ख़बर लिखी और कई ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर पोस्ट कर दी। उसने एआई टूल पर आंखें मूंदकर भरोसा किया था। जब वह ख़बर लोगों तक पहुंची तो भारी हंगामा हो गया, क्योंकि एआई टूल ने दो-तीन जगह घोर आपत्तिजनक एवं अभद्र शब्द लिख दिए थे। दरअसल वह व्यक्ति कुछ शब्दों का सही उच्चारण नहीं करता था। उसने अपनी तरफ से जो शब्द बोले, उन्हें सही समझा। एआई टूल ने उनका अपनी मर्जी से मतलब निकाला और वही टाइप कर दिया। उस व्यक्ति को न तो भाषा का पर्याप्त ज्ञान था और न उसने कभी यह सोचा होगा कि एआई टूल गलती कर सकता है। संबंधित कंपनी इसे तकनीकी गड़बड़ बताकर पल्ला झाड़ सकती है। वहीं, ऐसी घटनाएं हिंसा और उपद्रव की वजह बन सकती हैं।

यह जानकर आश्चर्य होगा कि एक मशहूर सर्च इंजन की अनुवाद सेवा आज भी 'फिजिकल हेल्थ' का अर्थ 'शारीरिक मौत' बताती है! सोचिए, एक गलत अनुवाद स्वास्थ्य के क्षेत्र में कितना बड़ा नुकसान करवा सकता है? पहले, किसी विषय के बारे में जानकारी हासिल करनी होती तो कोई अच्छी किताब ढूंढ़नी पड़ती थी। अब दुनियाभर की जानकारी कुछ ही सेकंडों में मिल जाती है। प्राय: लोग यह जानने की कोशिश ही नहीं करते कि सर्च इंजन जो जानकारी दे रहा है, वह कितनी सही है? हाल के वर्षों में ऐसी कई खबरें पढ़ने को मिलीं, जिनमें इस बात का जिक्र था कि किसी व्यक्ति ने अस्पताल का फोन नंबर ऑनलाइन सर्च किया तो नतीजों में साइबर ठगों का नंबर सबसे ऊपर दिखाई दिया। ठगों ने एक रुपया भेजने का अनुरोध किया और पूरा बैंक खाता खाली कर दिया! किसी ने मिठाई मंगाने के लिए मशहूर दुकान का नंबर सर्च किया और ऑर्डर दे दिया। उधर से कहा गया कि विशेष ऑफर के तहत एक किग्रा मिठाई मुफ्त भेजी जा रही है। इसके लिए एक ऐप डाउनलोड करें। ऐसा करते ही मोबाइल फोन हैक हो गया और ठगों ने पूरी रकम उड़ा ली! ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें लोगों ने हजारों नहीं, लाखों और करोड़ों रुपए गंवाए। पहले, वे सोचते थे कि इतनी बड़ी कंपनी है, जिसमें बड़े-बड़े वैज्ञानिक, तकनीकी विशेषज्ञ कार्यरत हैं, जिसका पूरी दुनिया में नाम है, लिहाजा इसका सर्च इंजन जो कुछ बताएगा, सही बताएगा। उन्हें नुकसान उठाने के बाद समझ में आया कि सर्च इंजन पर आने वाली हर चीज सही नहीं होती है। अपनी बुद्धि का इस्तेमाल भी करना चाहिए। तकनीक हमारी मदद करने के लिए है। इसके द्वारा दी गई जानकारी अकाट्य एवं अंतिम सत्य नहीं है। इसकी सीमाएं हैं। इस पर पूरी तरह कभी निर्भर न रहें।

ट्वीटर टॉक

मोदी जी के नेतृत्व में खेलों के वैश्विक मंच पर भारत की एक नई पहचान बनी है। खेलों के बजट में वृद्धि, स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास और खिलाड़ियों को विश्व स्तरीय सुविधाएँ उपलब्ध कराने के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं और बीते एक दशक में पदक जीतने की संख्या में भी वृद्धि हुई है।

-अमित शाह

संवेदनशील नेतृत्वकर्ता माननीय के मार्गदर्शन में बनी प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना किसानों को नए दौर में ले जाने की क्षमता रखती है। मोदी जी की कैबिनेट द्वारा स्वीकृत की गई यह योजना विकसित भारत-उन्नत किसान को लक्षित करती है। इससे देशभर के अन्नदाताओं को सहयोग और प्रोत्साहन मिलेगा।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

सिख सुपरमैन कहे जाने वाले सरदार फौजा सिंह जी का यूँ हमें छोड़ जाना अपूरणीय क्षति है। उन्होंने अपने जीवट और अदम्य साहस से यह सिद्ध कर दिया कि मजबूत इरादे उम्र की सभी सीमाएँ पार कर सकते हैं। शतायु पार करने के बाद भी उनका उत्साह युवाओं जैसा था और वे समाजसेवा में भी सदैव अग्रणी रहे।

-ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

सच्ची लगन सफलता की शर्त है

मैक्समूलर की माँ की हार्दिक इच्छा थी कि उसका बेटा देश का कोई बड़ा अधिकारी बने। एक विधवा होते हुए भी उसने मैक्समूलर की पढ़ाई में कोई कमी नहीं की, लेकिन मैक्समूलर को तो दूसरी ही धुन थी। वह कहता, 'नहीं, माँ मुझे संस्कृत पढ़ना है, पढ़ने दो।' वे संस्कृत के अध्ययन में जुट गए। लिपजिग कॉलेज में अध्ययन के दौरान इन्हें यह आश्चर्य हुआ कि अंग्रेजी के अनेक शब्द संस्कृत से निकले हैं यथा - डॉक्टर-दुहित्र से, फादर-पितर से, मदर-मातृ से, वाइफ-वधु से तथा ब्रदर-भ्रातर से। उन्हें गुरु की खोज में पेरिस जाना पड़ा। पेरिस में बर्नूफ को पाकर उन्हें अत्यनत प्रसन्नता हुई। जब इन्होंने वेद अध्ययन की इच्छा व्यक्त की, तो गुरु ने कहा - 'तुम में प्रतिभा है, लगन है, एकनिष्ठता है। तुम हिन्दू धर्म या वेद दोनों में से किसी एक को अपना जीवन अर्पित कर दो।' मैक्समूलर ने वेद पढ़ने की जब इच्छा व्यक्त की तो गुरु ने दो हिदायतें दीं- वेद का भाष्य करते समय तुम धूम्रपान नहीं करोगे। मूल और भाष्य का एक शब्द एक अक्षर भी नहीं छोड़ोगे नहीं। उन्होंने इन वचनों का दृढ़ता से पालन किया और अपने 27 वर्षों के कठोर श्रम से ऋग्वेद का उद्धार किया, जो ईस्ट इण्डिया कंपनी के संग्रहालय में कैद थे। हिन्दू धर्म के इस पवित्र ग्रन्थ के जीर्णोद्धार का श्रेय इन्हीं विद्वानों को जाता है, जिन्होंने अपने जीवन के लगभग पचास वर्ष भारतीय वांगमय में विचरते हुए बिताया।

सामयिक

अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत के बढ़ते कदम

राजेश माहेश्वरी

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन यानी आईएसएस पर 18 दिनों के प्रवास के बाद शुभांशु शुक्ला बीते 15 जुलाई को खुशी और मुस्कुराहट के साथ पृथ्वी पर लौट आए। शुभांशु की इस उपलब्धि के साथ भारत की मानवयुक्त अंतरिक्ष उड़ान गगनयान मिशन की महत्वाकांक्षाओं को साकार करने की तैयारी शुरू हो गई है। बहरहाल ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला सर्वप्रथम भारतीय अंतरिक्ष यात्री हैं, जो अंतरिक्ष स्टेशन के भीतर गए और 18 सफल दिनों का अपना मिशन संपन्न कर लौटे हैं। बेशक उनसे पहले 1984 में राकेश शर्मा अंतरिक्ष में जाने वाले प्रथम भारतीय थे, लेकिन उनका दल पृथ्वी के ही चक्कर काटता रहा। अंतरिक्ष स्टेशन की तब व्यवस्था नहीं थी। इस बार शुभांशु और उनके साथी अंतरिक्ष यात्रियों ने पृथ्वी के 322 फेरे लगाए और अंतरिक्ष स्टेशन की गति 28,000 किमी प्रति घंटा रही। कुल यात्रा करीब 1.40 करोड़ किमी की रही। यह यात्रा इतनी ब्रह्मांडीय थी कि एक यात्री चंद्रमा पर 35 बार आ-जा सकता था। अब इस कड़ी में ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला का नाम भी जुड़ गया है। जिनका अनुभव निकट भविष्य में होने वाले अंतरिक्ष मिशनों में मददगार साबित होगा।

एक्सिओम-4 मिशन के तहत स्पेस एक्स कंपनी का ड्रैगन ग्रेस अंतरिक्ष यान 25 जून को फ्लोरिडा से रवाना हुआ था और 28 घंटे की यात्रा के बाद 26 जून को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंचा था। पृथ्वी की कक्षीय प्रयोगशाला में, शुक्ला, कमांडर पैगी व्हिटसन, पोलैंड के मिशन विशेषज्ञ स्लावोज़ विस्नीव्स्की और हंगरी के टिबोर कापू ने अगले 18 दिन 60 प्रयोग व 20 आउटरीच सत्र आयोजित करने में बिताए। भारत ने इस एक्सिओम-4 अंतरिक्ष मिशन के लिए 550 करोड़ रुपये निवेश किए थे। यकीनन यह अकल्पनीय कीर्तिमान है और नया इतिहास है। इस अंतरिक्ष मिशन ने शुभांशु शुक्ला को 'अवतारी पुरुष' बना दिया है। अंतरिक्ष में जब भी मानव-जीवन संभव होगा या वनस्पतियां उगने लगेंगी। ऑक्सीजन का पर्यावरण होगा और जल के स्रोत मिल जाएंगे, तब पीढ़ियां उन अदम्य साहसी और सुदृढ़ मानसिक शक्ति वाले चेहरों को याद करेंगी, जिन्होंने अंतरिक्ष में आकर जीवनोपयोगी स्थितियों की बुनियाद रखी। शुभांशु ने अंतरिक्ष में 7 अति महत्वपूर्ण, बेशकीमती प्रयोग किए, हालांकि पूरी टीम को 60 प्रयोग करने थे। भारत के लाल' ने मेथी और मूंग

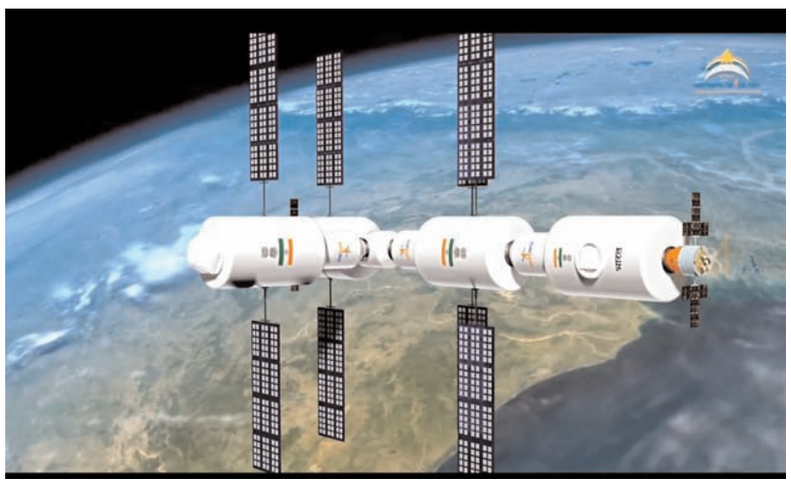

के बीजों को अंकुरित किया, जो अंतरिक्ष में पोषण और खाद्य सुरक्षा की दिशा में भोजन' साबित हो सकते हैं।

अंतरिक्ष में सूक्ष्म जीवों के जीवन, पुनर्जीवन, प्रजनन और जीन परिवर्तनों पर प्रयोग किया। अंतरिक्ष में बीजों की वृद्धि और प्रतिक्रिया का भी अध्ययन किया। भविष्य में अंतरिक्ष मिशन के लिए ऑक्सीजन, बॉयोफ्यूल के स्रोत के तौर पर माइक्रोएल्गी का भी अध्ययन किया गया। अंतरिक्ष उड़ान के दौरान आंखों की गति और समन्वय पर असर को समझने का प्रयोग किया। दिमाग के रक्त-प्रवाह पर फोकस किया गया, जिससे सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण और उच्च स्तर की कार्बन डाइऑक्साइड के असर को जानने का प्रयास किया गया। अंतरिक्ष में मानव मांसपेशियों, हड्डियों पर अंतरिक्ष के प्रभावों की भी जांच की गई। यह अंतरिक्ष यात्रियों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। चूंकि अंतरिक्ष में गुरुत्वाकर्षण नगण्य होता है, लिहाजा यात्री की मांसपेशियां और हड्डियां कमजोर हो जाती हैं। लौटने पर वह अपने पांव पर खड़ा होने और चलने में असमर्थ-सा रहता है। यह यात्रा 18 दिन की ही थी, लिहाजा यात्रियों पर इतने गहरे प्रभाव न पड़े हों, लेकिन फिर भी उनका पुनर्वास किया जा रहा है। उनकी पूरी तरह मेडिकल जांच होगी, इलाज किए जाएंगे, ताकि वे नए सिरे से पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण के अनुसार ढल सकें।अंतरिक्ष टीम ने एक्रायर्ड इक्विवेलेंस टेस्ट' नामक एक मानसिक प्रयोग में भी भाग लिया, जो अंतरिक्ष में रहने की क्षमता को मापता है। यकीनन शुभांशु के जरिए यह भारत की 'अपवादीय उपलब्धि' है।

अंतरिक्ष मानव की खोज, नवाचार और महत्वाकांक्षा का नया ठिकाना बन गया है, जिससे शीर्ष देशों के बीच अंतरिक्ष की दौड़ शुरू हो गई है। वहां होड़ भी शुरू हो गई है और तमाम देश पृथ्वी के अनदेखे, अनजाने हिस्सों में जाकर अपना दबदबा कायम करना चाहते हैं। इतना ही नहीं अब वे पृथ्वी की कक्षा में बची जगह पर अपने उपग्रह तैनात करने और दूसरे ग्रहों पर नियंत्रण करने में भी जुट गए हैं। एलन मस्क ने मंगल पर ही आखिरी सांस लेने' की बात कह कर भविष्य को और दिलचस्प बना दिया है यानी अगले कुछ दशकों में अंतरिक्ष का क्षेत्र बहुत आगे जा सकता है। इसरो तेजी से कदम आगे बढ़ा रहा है और भारत की अंतरिक्ष यात्रा की प्रगति दिलचस्प होती जा रही है।

भारत में अंतरिक्ष स्टार्टअप तंत्र को आगे बढ़ाने में सरकारी नीतियों की अहम भूमिका रही है। इसको सबसे तगड़ा बढ़ावा 2022 में रक्षा प्रदर्शनी डेफएक्सपो के दौरान मिला, जब अंतरिक्ष से जुड़ी 75 चुनौतियां शुरू की गईं। अंतरिक्ष में निजी क्षेत्र की भागीदारी पर नजर रखने के लिए नए नियामक इन-स्पेस का गठन हुआ और इसरो ने अपनी प्रक्षेपण सुविधाएं, ग्राउंड स्टेशन तथा परीक्षण सुविधाएं निजी क्षेत्र के लिए खोल दीं, जिससे रफ्तार बहुत बढ़ गई। सरकार ने अपने वादे पर आगे बढ़ते हुए 1,000 करोड़ रुपये का वेंचर कैपिटल फंड भी शुरू किया है और 52 में से 31 एसबीएस-3 प्रोग्राम सैटेलाइट स्टार्टअप इकाइयों के लिए आवंटित किए हैं। इससे अंतरिक्ष क्षेत्र में प्रगति को और धार मिल रही है।

भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र आर्थिक वृद्धि को रफ्तार देने वाला बड़ा कारक बनने जा रहा है। अनुमान है कि इस क्षेत्र का आकार 2030 तक बढ़कर 100 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है यानी दशक भर के भीतर इसमें 15 गुना बढ़ोतरी हो सकती है। इसे भांपते हुए कई राज्य सरकारों ने स्टार्टअप एवं विनिर्माण इकाइयों को आकर्षित करने वाली अंतरिक्ष नीतियां तैयार की हैं। राज्य सरकारें कृषि, आपदा राहत एवं शहरी नियोजन में भू-अंतरिक्ष तकनीक के इस्तेमाल को भी बढ़ावा दे रही हैं। नीतिगत दृष्टि से भी केंद्र सरकार ने 2023 में नई स्पेस पॉलिसी लागू की है और 100 फीसदी एफडीआई की अनुमति दी है। इससे निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ी है और अब तक 328 से अधिक स्पेस स्टार्टअप्स उभर चुके हैं। निस्संदेह, पिछले एक दशक में भारत ने अंतरिक्ष के क्षेत्र में बड़ी प्रगति की है। चंद्रयान और मंगलयान अभियान की सफलता ने इसरो की क्षमताओं को प्रदर्शित किया है। मोदी सरकार का आत्मनिर्भरता पर जोर स्वदेशी तकनीक और लागत प्रभावी समाधानों के जरिये रहा है। भारत की कोशिश है कि मानवयुक्त उड़ानों के लिये उसे अमेरिका व रूस पर निर्भर न रहना पड़े। यह एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें चीन हमसे आगे है।

भारत का महत्वाकांक्षी गगनयान अभियान इसी दिशा में इसरो की पहल है, ताकि भारत भी रूस, अमेरिका व चीन के समकक्ष वैश्विक अंतरिक्ष शक्ति के रूप में उभर सके। इसी कड़ी में भारत 2040 तक किसी भारतीय को चंद्रमा पर भेजने की भी महत्वाकांक्षा रखता है। ये असंभव नहीं है, लेकिन अभी हमें इस दिशा में बहुत कुछ करना बाकी है। दरअसल, एक्सियम-4 मिशन इसरो के लिये अनुसंधान के दृष्टिकोण से भी बहुत महत्वपूर्ण है। भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र निस्संदेह ऐतिहासिक बदलाव के द्वार पर खड़ा दिख रहा है। ऊर्जावान स्टार्टअप तंत्र और भविष्य को ध्यान में रखकर तैयार की गई नीतियां इसमें अहम भूमिका निभा रही हैं। अंतरिक्ष विज्ञान का जो भारतीय इतिहास लिखा जा रहा है, यह यात्रा उसका प्रथम अध्याय है, लिहाजा अभी बहुत दूर जाना है। प्रधानमंत्री मोदी ने ठीक ही कहा है कि शुभांशु के इस मिशन ने एक अरब सपनों को प्रेरणा दी है। बेशक यह भारत के मानव अंतरिक्ष मिशन 'गगनयान' की दिशा में 'मील का पत्थर' है। शुभांशु के अनुभव और प्रयोगों से बहुत मदद मिलेगी।

नजरिया

क्या बिहार में सुशासन अब जंगलराज में बदल रहा है?

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

बिहार में एक बार फिर कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। बेखौफ अपराधियों का आतंक, दिन-दहाड़े हत्याएं, लूट, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध यह संकेत दे रहे हैं कि सुशासन बाबू' के नाम से मशहूर नीतीश कुमार का प्रशासन कहीं अपने वादों और आदर्शों से भटकता नजर आ रहा है। आगामी विधानसभा चुनाव की दस्तक के बीच आमजन में यह सवाल तेजी से उभर रहा है कि क्या बिहार में सुशासन अब फिर से जंगलराज में तब्दील हो रहा है? क्योंकि व्यापारियों, राजनेताओं, वकीलों, शिक्षकों और आम नागरिकों को निशाना बनाकर की गई लगातार हत्याओं ने बिहार की कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। पुलिस इन घटना के लिए अवैध हथियारों और गोला-बारूद की व्यापक उपलब्धता को ज़िम्मेदार ठहरा रही है, पुलिस के उच्च अधिकारियों के कुछ बेतूके बयान हास्यास्पद एवं शर्मनाक होने के साथ चिन्ताजनक है। उनके हिसाब से जून में ज्यादा वारदात होती हैं, क्योंकि मॉनसून आने के पहले तक किसान खाली बैठे होते हैं। राज्य की राजधानी पटना के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में दिनदहाड़े 5 शूटर्स ने जिस तरह एक गैंगस्टर की हत्या की, उससे यही लगता है कि कानून-व्यवस्था का डर खत्म हो चुका है। पिछले 10 दिनों में एक के बाद एक कई आपराधिक घटनाओं में व्यापारी गोपाल खेमका, भाजपा नेता सुरेंद्र कुमार, एक 60 वर्षीय महिला, एक दुकानदार, एक वकील और एक शिक्षक सहित कई हत्याओं ने चुनावी राज्य को हिलाकर रख दिया है।

बिहार में कानून और व्यवस्था की स्थिति को लेकर राजनीतिक घमासान चरम पर है। विपक्ष, खासकर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस, जहां नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार पर लगातार हमलावर है, वही एनडीए इन मुद्दों पर जबावी एवं रक्षात्मक हमला करते हुए चुनाव पर इनके असर को बेअसर करने में जुटी है। लालू यादव के शासनकाल के जंगलराज' की भी याद दिलाने की कोशिश एनडीए की पार्टियां कर रही है ताकि विपक्ष इन मामलों पर ज्यादा हावी ना हो। भाजपा के प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन का कहना है कि बिहार की जनता लालू राज में जो जंगलराज था, उसे भूली नहीं हैं। विपक्ष चाहे जो भी आरोप लगाए बिहार में आज सुशासन का राज है और जो घटनाएं हुई हैं वह योजनागत अपराध के तहत है, जिस पर सरकार कड़ी करवाई कर रही है।' हॉस्पिटल में जिसकी हत्या हुई, वह खुद हत्या के मामले में जेल में बंद था और फिलहाल पैरोल पर बाहर आया था। शुरुआती रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस वारदात में विरोधी गैंग शामिल हो सकता है। इसका मतलब कि राज्य में संगठित अपराध फिर सिर उठा रहा है। इसी महीने, 4 जुलाई को बिहार के बड़े व्यवसायी गोपाल खेमका

एक समय था जब नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर उल्लेखनीय सुधार किए थे। लालू-राबड़ी शासन के समय जिसे जंगलराज कहा जाता था, उसके मुकाबले एक उम्मीद जगी थी कि बिहार अब विकास, सुरक्षा और शांति की राह पर है। लेकिन वर्तमान परिदृश्य में जनता फिर से असुरक्षा, भय और अराजकता के वातावरण में जीने को मजबूर है। इन स्थितियों में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब सरकार के पास प्रशासनिक अनुभव है, गठबंधन के रूप में राजनीतिक ताकत है, तो फिर अपराधियों पर लगाम क्यों नहीं लग पा रही है?

की हत्या हुई थी और उसमें भी भाड़े के शूटर्स का इस्तेमाल किया गया था। ऐसी हत्याएं बार-बार हो रही हैं, यह सिलसिला कहीं रुकता नहीं दिख रहा।

पक्ष एवं विपक्ष के राजनीतिक दल एवं नेता चाहे जो बयान दें, लेकिन बिहार में अपराध तो बढ़ ही रहे हैं, आमजनता में भय एवं असुरक्षा व्याप्त है।। हाल ही में राजधानी पटना, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, और गया जैसे प्रमुख शहरों में हुईं हत्या और डकैती की घटनाएं न केवल भयावह हैं, बल्कि यह भी दिखाती हैं कि अपराधी अब पुलिस और प्रशासन से नहीं डरते और पुलिस का अपराधियों पर नियंत्रण खत्म होता जा रहा है। सड़क पर चल रहे आम लोगों को दिनदहाड़े गोली मार दी जाती है, व्यापारियों से रंगदारी मांगी जाती है, महिलाओं के साथ दुष्कर्म की घटनाएं बढ़ रही हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि बिहार भले अपराध में कई दूसरे राज्यों से पीछे दिखता हो, लेकिन सच यही है कि आंकड़े पूरी कहानी नहीं बताते। राज्य में ये अपराध तब हो रहे हैं, जब पूरा फोकस क्राइम कंट्रोल पर है। बिहार में पिछले तीन वर्षों में अपराध दर में निरंतर वृद्धि हुई है। हत्या, बलात्कार, अपहरण, और लूट जैसे संगीन अपराधों में राज्य शीर्ष स्थानों में शामिल हो गया है। यह स्थिति न केवल चिंताजनक है, बल्कि चुनावी राजनीति में एक बड़ा मुद्दा बनकर उभर रही है।

एक समय था जब नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर उल्लेखनीय सुधार किए थे। लालू-राबड़ी शासन के समय जिसे जंगलराज कहा जाता था, उसके मुकाबले एक उम्मीद जगी थी कि बिहार अब विकास, सुरक्षा और शांति की राह पर है। लेकिन वर्तमान परिदृश्य में जनता फिर से असुरक्षा, भय और अराजकता के वातावरण में जीने को मजबूर है। इन स्थितियों में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब सरकार के पास प्रशासनिक अनुभव है, गठबंधन के रूप में राजनीतिक ताकत है, तो फिर अपराधियों पर लगाम क्यों नहीं लग पा रही है? बिहार में कानून एवं व्यवस्था के मुद्दे के साथ हमेशा राजनीति का पहलू जुड़ा रहा है। राज्य के लोगों के जहन में कई बुरी यादें हैं और राजनीतिक बाजीगरी में यह कोशिश होती है कि वे यादें कभी कमजोर न पड़ें। अभी तक इसका फायदा सीएम नीतीश कुमार को मिला है। नीतीश और भाजपा ने लालू-राबड़ी यादव के कार्यकाल को हमेशा जंगलराज' के तौर पर पेश किया। लेकिन, अब वही सवाल पलट कर उनकी ओर आ रहे हैं, जो आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर चिन्ता एवं चेतावनी का सबब बनना ही चाहिए।

बिहार की राजनीति में जातिगत समीकरण और गठबंधनों की जोड़तोड़ हमेशा से हावी रही है। लेकिन अब जो नया परिदृश्य बन रहा है, उसमें अपराध और अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण मिलने के आरोप भी आम हो गए हैं। हाल ही में कई मामलों में नेताओं और जनप्रतिनिधियों के आपराधिक तत्वों से संबंध उजागर हुए हैं। यह स्थिति न केवल लोकतंत्र के लिए खतरा है, बल्कि जनविश्वास की भी अवहेलना है। यदि अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण मिलेगा, तो फिर आम जनता के लिए न्याय और सुरक्षा केवल एक सपना बनकर रह जाएगा। हाल के अपराधों की घटनाओं ने विपक्ष को सरकार की नाकामी उजागर करने का मौका दिया है, जबकि भाजपा और जदयू रक्षात्मक रुख अपना रहे हैं और इन घटनाओं को योजनागत घटनाओं का नाम देकर राजद सरकार के समय की आपराधिक घटनाओं के साथ तुलना कर रहे हैं। मगर सूत्रों की माने तो पार्टी इस बात को लेकर तैयारी जरूर कर रही कि, यदि यह मुद्दा संसद के आगामी सत्र में विपक्ष उठाती है तो उस पर कैसे जवाब देना है? जिस बिहार के पूर्ववर्ती सरकारों के कानून एवं व्यवस्था की खराब स्थिति को मुख्य मुद्दा बनाकर एनडीए सरकार सत्ता में आई थी अब यही मुद्दा विपक्ष के हाथ लग गया है। बिहार की जनता बदलाव चाहती है। उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सुरक्षा जैसे बुनियादी मुद्दों पर ठोस कदम चाहिए, न कि केवल वादों की झड़ी। विपक्ष इस समय सरकार को घेरने के लिए पूरी तैयारी में है और बदहाल कानून-व्यवस्था' को मुख्य चुनावी मुद्दा बना रहा है।

आरजेडी-कांग्रेस भाजपा और नीतीश सरकार पर हमला बोल रहे हैं कि जिनके शासन में कभी सुशासन की मिसाल दी जाती थी, अब वही शासन अपराधियों के आगे बेबस नजर आ रहा है। बिहार के लिए यह समय आत्मचिंतन का है। सरकार को चाहिए कि वह पुलिस-प्रशासन को स्वतंत्र रूप से कार्य करने दे, अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करे और राजनीतिक हस्तक्षेप को समाप्त करे। साथ ही न्यायिक प्रक्रिया को तेज़ किया जाए ताकि अपराधियों को जल्द सजा मिले। बिहार इस समय एक निर्णायक मोड़ पर है। अन्यथा एक ओर पुराना भयावह जंगलराज लौटने की आशंका है, दूसरी ओर एक सक्षम, उत्तरदायी और पारदर्शी प्रशासन की आवश्यकता। यदि वर्तमान सरकार इस संदेश को नहीं समझती, तो आगामी विधानसभा चुनाव बिहार की राजनीति का नया अध्याय लिख सकते हैं, जिसमें सुशासन नहीं, जनाक्रोश निर्णायक भूमिका निभाएगा। जनता के लिए भी यह चुनाव एक अवसर है कि वे विकास, सुरक्षा और पारदर्शिता के आधार पर अपने प्रतिनिधियों का चुनाव करें, न कि जाति या चहेते दल के नाम पर।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

न्यायमूर्ति वर्मा को हटाने पर सभी दल सहमत, न्यायालिका में भ्रष्टाचार गंभीर मामला : रीजीजू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने शुक्रवार को कहा कि न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग चलाने के मुद्दे पर सभी राजनीतिक दल एकमत हैं। न्यायमूर्ति वर्मा के आवास से नोटों की जली हुई गड्डियां बरामद हुई थीं। रीजीजू ने 'पीटीआई-भाषा' को दिये एक विशेष वीडियो साक्षात्कार में कहा, मैंने विभिन्न राजनीतिक दलों के सभी वरिष्ठ नेताओं से बात की है। मैं एकमात्र सांसद वाले कुछ दलों से भी संपर्क करुंगा, क्योंकि मैं किसी भी सदस्य को नजरअंदाज नहीं करना चाहता। ताकि यह भारतीय संसद की एक संयुक्त राय के रूप में सामने आए।

केंद्रीय मंत्री ने जोर देकर कहा कि न्यायमूर्ति वर्मा को हटाने का प्रस्ताव लाने की पहल सरकार की नहीं, बल्कि विभिन्न राजनीतिक दलों के सांसदों की है, जिनमें कांग्रेस के सांसद भी शामिल हैं। उन्होंने कहा, ''न्यायपालिका में भ्रष्टाचार एक अत्यंत संवेदनशील और गंभीर मामला है, क्योंकि न्यायपालिका ही वह जगह है जहां लोगों को न्याय मिलता है। अगर न्यायपालिका में भ्रष्टाचार है, तो यह सभी के लिए गंभीर चिंता का विषय है। इसी कारण न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को हटाने का प्रस्ताव सभी राजनीतिक दलों द्वारा हस्ताक्षरित किया जाएगा।''

रीजीजू ने कहा कि उन्हें खुशी है कि मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने मामले की गंभीरता को समझा है और इस मुद्दे पर साथ देने पर सहमति जताई है। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि उसने चीजों को वैसे ही समझा जैसा उसे समझना चाहिए, क्योंकि कोई भी पार्टी भ्रष्ट न्यायाधीश के साथ खड़ी या भ्रष्ट न्यायाधीश को

बचाती हुई नजर नहीं आ सकती।

रीजीजू ने कहा, जब न्यायपालिका में भ्रष्टाचार की बात आती है, तो हमें एकजुट होना होगा। इसमें कोई दलीय आधार पर रुख नहीं होना चाहिए और इसे राजनीतिक मुद्दा नहीं बनाया जाना चाहिए।'' कांग्रेस ने कहा है कि उसके सभी सांसद न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ प्रस्ताव का समर्थन करेंगे। रीजीजू ने कहा कि किसी न्यायाधीश को हटाने के लिए प्रस्ताव लाने के नोटिस पर लोकसभा में कम से कम 100 सदस्यों और राज्यसभा में 50 सदस्यों के हस्ताक्षर होने चाहिए। उन्होंने कहा कि नोटिस लोकसभा में लोकसभा अध्यक्ष को और राज्यसभा में सभापति को प्रस्तुत किया जाएगा, जो सदन को सूचित करेंगे, न्यायाधीश जांच अधिनियम के अनुसार जांच समिति गठित करेंगे तथा तीन महीने में रिपोर्ट प्राप्त करेंगे।

रीजीजू ने कहा, ''इसलिए तीन महीने की अवधि की आवश्यकता पूरी करनी होगी। उसके बाद जांच रिपोर्ट संसद में पेश की जाएगी और दोनों सदनों में इस पर चर्चा होगी।'' इस साल मार्च में न्यायमूर्ति वर्मा के लुटियंस दिल्ली स्थित आवास में आग लगने की घटना हुई थी और घर के बाहरी हिस्से में जली हुई नकदी से भरी बोरियां बरामद हुई थीं। उस समय न्यायमूर्ति वर्मा दिल्ली उच्च न्यायालय में पदस्थ थे। न्यायमूर्ति वर्मा को बाद में इलाहाबाद उच्च न्यायालय स्थानांतरित कर दिया गया। लेकिन उन्हें कोई न्यायिक कार्य नहीं सौंपा गया। तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना के आदेश पर हुई आंतरिक जांच में उन्हें दोषी ठहराया गया है। न्यायमूर्ति वर्मा ने हालांकि किसी भी गलत कार्य में संलिप्त होने से इनकार किया है, लेकिन उच्चतम न्यायालय द्वारा गठित आंतरिक जांच समिति ने निष्कर्ष निकाला है कि न्यायाधीश और उनके परिवार के सदस्यों का उस भंडारकक्ष पर गुप्त या सक्रिय नियंत्रण था, जहां नकदी पाई गई थी। इससे यह साबित होता है कि उनका कदाचार इतना गंभीर है कि उन्हें हटाया जाना चाहिए।

पूर्व कानून मंत्री कपिल सिब्बल द्वारा न्यायमूर्ति वर्मा और इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति शेखर यादव के बीच तुलना करने संबंधी टिप्पणी पर रीजीजू ने कहा कि संसद को एक वकील-सांसद के निजी एजेंडे से निर्देशित नहीं किया जा सकता।

छात्रा की मौत : बीजद ने मौन प्रदर्शन किया, 21 को आरडीसी कार्यालयों के सामने आंदोलन की घोषणा

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में विपक्षी बीजू जनता दल (बीजद) ने बालासोर में महिला कॉलेज की एक छात्रा की मौत के मामले की न्यायिक जांच की मांग को लेकर आंदोलन तेज करते हुए शुक्रवार को यहां महात्मा गांधी की प्रतिमा के पास मौन विरोध प्रदर्शन किया। बीजद ने यह भी निर्णय किया कि जब तक सरकार इस घटना की अदालत की निगरानी में न्यायिक जांच की घोषणा नहीं कर देती, तब तक वह अपना आंदोलन जारी रखेगी। इस घटना में कथित यौन उत्पीड़न मामले में न्याय नहीं मिलने पर छात्रा ने आत्मदाह कर लिया था, और बाद में उसकी मृत्यु हो गई थी।

बीजद के वरिष्ठ उपाध्यक्ष देबी प्रसाद मिश्रा ने संवाददाताओं से कहा, पार्टी ने 21 जुलाई को कटक, संबलपुर और बरहमपुर में तीन राजस्व संभागीय आयुक्त (आरडीसी) कार्यालयों के समक्ष प्रदर्शन करने का निर्णय किया है, ताकि सरकार पर घटना की न्यायिक जांच की घोषणा करने के लिए दबाव बनाया जा सके।'' काली पट्टी से मुंह ढके और हाथों में तख्तियां लिये बीजद महिला, छात्र और युवा शाखा सदस्यों ने यहां महात्मा गांधी पार्क में मौन प्रदर्शन किया। मौन प्रदर्शन एक घंटे चला।

प्रदर्शनकारियों ने 16 जुलाई को लोक सेवा भवन घेराव आंदोलन के दौरान बीजद नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ कथित पुलिस ज्यादतियों की भी निंदा की। बीजद की महिला नेता एवं पूर्व मंत्री तुकुनी साहू ने कहा, पुलिस की मनमानी तब साफ़ दिखाई दी जब उन्होंने शांतिपूर्ण प्रदर्शन पर रबर की गोलियां चलायीं, आंसू गैस के गोले दागे और पानी की बौछार की। हम पुलिस की इस कार्रवाई की निंदा करते हैं। छात्रा की मौत की अपराध शाखा द्वारा जांच को खारिज करते हुए, मिश्रा ने पार्टी की मांग को उचित ठहराया और कहा, केवल अदालत की निगरानी में न्यायिक जांच से ही मृत महिला और उसके परिवार को न्याय मिल सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि पीड़िता ने बालासोर के एफएम कॉलेज के एक शिक्षक द्वारा कथित तौर पर यौन और मानसिक उत्पीड़न की अपनी शिकायत की जांच के लिए मुख्यमंत्री, राज्य के उच्च शिक्षा मंत्री, स्थानीय विधायक, बालासोर सांसद, पुलिस और नागरिक प्रशासन के अलावा कॉलेज अधिकारियों समेत सभी अधिकारियों से संपर्क किया था। मिश्रा ने पूछा कि एक डीएसपी स्तर के अधिकारी के नेतृत्व वाली अपराध शाखा की जांच ऐसे मामले में कैसे कार्रवाई कर सकती है, जब कई प्रभावशाली व्यक्ति शामिल हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय पार्टी अपना आंदोलन जारी रखेगी। बालासोर के एफएम कॉलेज की 20 वर्षीय इंटीग्रेटेड बीएड द्वितीय वर्ष की छात्रा ने कथित तौर पर न्याय नहीं मिलने पर 12 जुलाई को परिसर में आत्मदाह कर लिया था। उसने चौदह जुलाई को एम्स भुवनेश्वर में दम तोड़ दिया था।

राहुल ने किया वाद्रा का बचाव, आरोपपत्र को दुर्भावनापूर्ण और राजनीति से प्रेरित बताया

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा हरियाणा के शिकोहपुर में एक जमीन सौदे से जुड़े धन शोधन के मामले में रॉबर्ट वाद्रा के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किए जाने के बाद शुक्रवार को उनका खुलकर बचाव किया और कहा कि दुर्भावनापूर्ण एवं राजनीति से प्रेरित कार्रवाई हो रही है, लेकिन वह अपने बहनोई और उनके परिवार के साथ खड़े हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आखिरकार सत्य की जीत होगी।

राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, मेरे बहनोई को पिछले 10 वर्षों से इस सरकार द्वारा प्रताड़ित किया जा रहा है। यह नवीनतम आरोपपत्र उसी की अगली कड़ी है। उन्होंने कहा, मैं रॉबर्ट, प्रियंका और उनके बच्चों के साथ खड़ा हूं, क्योंकि वे दुर्भावनापूर्ण, राजनीति से प्रेरित बदनामी और उत्पीड़न के एक और हमले का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा मैं जानता हूं कि वे सभी किसी भी तरह के उत्पीड़न का सामना करने का साहस रखते हैं और वे सम्मान के साथ ऐसा करना जारी रखेंगे। राहुल गांधी ने कहा कि आखिरकार सत्य की विजय होगी। कांग्रेस के कई नेताओं ने भी वाद्रा के प्रति अपनी एकजुटता प्रकट की। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने कहा कि पूरी पार्टी गांधी परिवार के साथ खड़ी है।

सार्वजनिक सुरक्षा विधेयक वामपंथी उग्रवाद को निशाना बनाने के लिए है : मुख्यमंत्री फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को कहा कि राज्य विधानसभा द्वारा चालू मानसून सत्र में पारित महाराष्ट्र विशेष जन सुरक्षा विधेयक वामपंथी दलों या सरकार विरोधी आवाजों के खिलाफ नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य वामपंथी उग्रवाद को निशाना बनाना है। विधानसभा में पिछले सप्ताह लाए गए विपक्ष द्वारा समर्थित प्रस्ताव पर बहस का जवाब देते हुए फडणवीस ने कहा कि वामपंथ और वामपंथी उग्रवाद में अंतर है, ठीक वैसे ही जैसे इस्लाम और प्रतिबंधित आतंकवादी समूह 'आईएसआईएस' में अंतर है।

मुख्यमंत्री ने सदन में कहा, ''विशेष जन सुरक्षा विधेयक एक उदार कानून है। मकोका (महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम) अधिक कठोर है। मैं इस विधेयक का विरोध कर रहे लोगों को बताना चाहता हूं कि इसका दुरुपयोग नहीं किया जाएगा। नए कानून में किसी व्यक्ति को गिरफ्तार करने का अधिकार नहीं है।'' संयोग से विपक्षी नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को महाराष्ट्र विशेष जन सुरक्षा विधेयक-2024 के खिलाफ एक पत्र सौंपा, जिसके बारे में उन्होंने दावा किया कि यह दमनकारी, अस्पष्ट और दुरुपयोग के लिए ''खुला' है। विपक्षी नेताओं ने राज्य सरकार पर जन सुरक्षा की आड़ में असाधारण कार्यकारी शक्तियों को वैध बनाने का प्रयास करने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने बृहस्पतिवार को विधानमंडल परिसर में हुई हाथापाई और मीडिया में अध्यक्ष को निशाना बनाए जाने पर भी दुख व्यक्त किया। महाराष्ट्र विधानमंडल परिसर में बृहस्पतिवार को राकांपा (शरदचंद्र पवार) विधायक जितेंद्र आव्हाड और भाजपा विधायक गोपीचंद पडलकर के समर्थकों के बीच मारपीट हो गई थी। एक दिन पहले दोनों विधायकों के बीच तीखी बहस हुई थी। यह घटना शाम 5.45 बजे विधानमंडल भवन के भूतल पर हुई थी।

मुख्यमंत्री ने कहा, संसदीय मर्यादा, आचरण और संवाद बनाए रखने की जिम्मेदारी हमारी है। आव्हाड व पडलकर के सहयोगी क्रमशः नितिन देशमुख व सर्जेराव (ऋषिकेश) टाकले कथित तौर पर इस हाथापाई में शामिल थे और उन्हें राज्य विधानमंडल के सुरक्षाकर्मियों ने हिरासत में ले लिया था। फडणवीस ने कहा कि टाकले पर छह आपराधिक मामले दर्ज हैं और आठ मामलों में देशमुख का नाम है। मुख्यमंत्री ने कहा, ये लोग विधानसभा में मारपीट करते हैं। हम ऐसे लोगों की वजह से जनता को विधान भवन में आने से नहीं रोक सकते।

बैंक शेयरों के दबाव में सेंसेक्स 501 अंक टूटा, निफ्टी 143 अंक कमजोर

मुंबई/भाषा। तिमाही नतीजों की घोषणा की सुस्त शुरुआत के बीच विदेशी पूंजी की निकासी और बैंकों के शेयरों में बिकवाली होने से शुक्रवार को शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 501 अंक टूट गया जबकि निफ्टी अंक नुकसान में रहा। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 501.51 अंक यानी 0.61 प्रतिशत गिरकर 81,757.73 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 651.11 अंक गिरकर 81,608.13 अंक के निचले स्तर तक आ गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी भी 143.05 अंक यानी 0.57 प्रतिशत गिरकर 24,968.40 अंक पर बंद हुआ।

विश्लेषकों ने कहा कि एक्सिस बैंक के तिमाही नतीजे बाजार की उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहने से निवेशकों ने बैंक शेयरों को लेकर सतर्क रुख अपना लिया है। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से एक्सिस बैंक के शेयर में सबसे अधिक 5.24% की गिरावट दर्ज की गई। जून तिमाही में बैंक का एकीकृत शुद्ध लाभ 3% घटकर 6,243.72 करोड़ रुपये रहा। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के शोध प्रमुख देवर्ष वकील ने कहा एक्सिस बैंक के नवीनतम वित्तीय परिणाम बाजार की उम्मीदों से कम रहे।

आज महिलाओं को अधिक आजादी है लेकिन पितृसत्ता भी कठोर हुई है : बानू मुश्ताक

नई दिल्ली/भाषा। अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार से सम्मानित लेखिका बानू मुश्ताक को उनके जिस कहानी संग्रह हार्ट लैंप' के लिए यह पुरस्कार प्रदान किया गया उसमें 12 कहानियां हैं जो 1990 के दशक से लेकर 2023 तक लिखी गई हैं। इसी दौर में झांकते हुए बानू कहती हैं कि महिलाएं पहले के मुकाबले आज अधिक आज़ाद हैं लेकिन इसके साथ ही पितृसत्ता भी अधिक कठोर हुई है। बृहस्पतिवार को यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बानू मुश्ताक ने कहा कि एक ओर महिलाएं उच्च शिक्षा हासिल कर रही हैं, नौकरी कर रही हैं लेकिन उसी के साथ ही अपने धर्म से बाहर किसी और से विवाह करने पर उनकी हत्याएं भी हो रही हैं।

पेशे से अधिवक्ता और महिला अधिकारों की प्रबल पैरोकार बानू मुश्ताक ने कहा, पितृसत्ता बदल गई है और महिलाओं का दर्जा भी बदला है। महिलाएं उच्च शिक्षा हासिल कर रही हैं, अच्छी नौकरियां ले रही हैं और कुछ चीजें हैं जो वे दुनिया में बेहतर कर रही हैं। लेकिन इसी के साथ ही पितृसत्ता भी कठोर हुई है।'' मूल कन्नड भाषा से दीपा भास्ती द्वारा अंग्रेजी में अनूदित 'हार्ट लैंप' दक्षिण भारत में महिलाओं और लड़कियों की रोजमर्रा जिंदगी का रोजनामचा है - जहां उनके प्रजनन अधिकारों का अक्सर शोषण किया जाता है, जहां सत्ता की कमान पुरुषों के हाथों में होती है और एक ऐसे रूढ़िवादी समाज में उनका हर रोज दमन किया जाता है जो महिलाओं की स्वायत्ता को बिरले ही बर्दाश्त करता है। उन्होंने कहा, ''हम आए दिन खाप पंचायतों के फैसले देखते हैं। हम देखते हैं कि एक पिता अपनी ही बेटी की हत्या कर देता है, एक मुस्लिम युवती को केवल इसलिए मौत के घाट उतार दिया जाता है क्योंकि उसने एक हिंदू युवक से विवाह करने का फैसला किया या एक हिंदू लड़की को इसलिए कत्ल कर दिया जाता है कि उसने एक मुस्लिम युवक को जीवन साथी बनाने का रास्ता चुना। इस पितृसत्ता के कारण आप देखिए कि महिलाओं के खिलाफ हर प्रकार की हिंसा को जायज ठहराया जाता है। दोनों चीजे एक ही समय में, एक साथ हो रही हैं।'' उन्होंने कहा ''वह आजाद है, शिक्षित है और फैसले ले सकती है लेकिन उसी के साथ ही पितृसत्ता महिलाओं के रास्ते में कांटे बो रही है।''

सरकार 2036 ओलंपिक की तैयारी के लिए खिलाड़ियों को प्रति माह 50,000 रु दे रही : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को यहां कहा कि सरकार 2036 के ओलंपिक की तैयारियों के तहत लगभग 3,000 खिलाड़ियों को प्रति माह 50,000 रुपये की सहायता प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार इसके लिए एक विस्तृत और व्यवस्थित योजना बना रही है। शाह 21वें वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स 2025' में भाग लेने वाले भारतीय दल के सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि जीत और हार जीवन चक्र का हिस्सा है लेकिन जीत का लक्ष्य तय करना तथा जीत के लिए योजना बनाना हर किसी का 'स्वभाव' होना चाहिए। जीतना किसी आदत की तरह होना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि जो लोग जीतने की आदत विकसित करते हैं, वे हमेशा असाधारण प्रदर्शन करते हैं। गृह मंत्री ने यह भी बताया कि मोदी सरकार खेल को हर गांव तक पहुंचाने की व्यवस्था कर रही है। उन्होंने कहा कि हर खेल में विभिन्न आयु वर्ग के बच्चों का चयन और प्रशिक्षण वैज्ञानिक तरीके से किया जा रहा है। शाह ने कहा, ''पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में खेल को बहुत महत्व दिया गया है। बजट में पांच गुना बढ़ोतरी की गई है। सरकार 2036 के ओलंपिक की भी तैयारी कर रही है जिसमें लगभग 3,000 खिलाड़ियों को प्रति माह 50,000 रुपये की सहायता प्रदान की जा रही है और इसके लिए एक विस्तृत व्यवस्थित योजना बनाई जा रही है।'' शाह ने कहा कि हर पुलिस अधिकारी की दिनचर्या ऐसी होनी चाहिए कि उसकी दिन की शुरुआत परेड से हो और शाम खेल के साथ समाप्त हो।

तिलोत्तमा शोम अभिनीत बांग्ला फिल्म 'बक्शो बोंडी' से होगा आईएफएफएम का आगाज़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अभिनेत्री तिलोत्तमा शोम अभिनीत बांग्ला फिल्म 'बक्शो बोंडी' से 2025 के इंडियन फिल्म 'फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न' (आईएफएफएम) का आगाज़ होगा। इस फिल्म का 14 अगस्त को ऑस्ट्रेलिया में आधिकारिक तौर पर प्रीमियर होगा, जिससे आईएफएफएम के 16वें संस्करण की शुरुआत होगी। इस फिल्म का निर्देशन तनुश्री दास और सौम्यनंद साही ने किया है।

फिल्म की कहानी कोलकाता के एक उपनगर की पृष्ठभूमि पर आधारित है और इसमें शोम ने माया की भूमिका निभाई है, जो एक कामकाजी महिला है। अंग्रेजी में इस फिल्म का शीर्षक 'शैडोबॉक्स' है जिसका सहनिर्माण भारत, फ्रांस, अमेरिका और स्पेन ने किया है। शैडोबॉक्स' का 75वें बर्लिन अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में वर्ल्ड प्रीमियर हुआ था।

फौजा सिंह का अंतिम संस्कार कल

गिरफ्तार चालक के रिश्तेदार मैराथन धावक के परिजन से मिले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। दुनिया के सबसे बुजुर्ग मैराथन धावक फौजा सिंह का अंतिम संस्कार रविवार को जालंधर स्थित उनके गांव ब्यास में दोपहर 12 बजे किया जाएगा। उनके बेटे हरविंदर सिंह ने शुक्रवार को 'पीटीआई-भाषा' को फोन पर यह जानकारी दी। हरविंदर ने कहा, ''विदेश में रहने वाले हमारे कई रिश्तेदार आ चुके हैं, जबकि कुछ और शनिवार तक पहुंच जाएंगे।'' वहीं, कनाडा में रहने वाले उस व्यक्ति के परिजन ने भी सिंह के परिवार से मुलाकात की, जिसकी एसयूवी की चपेट में आने से 114 वर्षीय मैराथन धावक की कथित तौर पर मौत हो गई थी।

अमृतपाल सिंह ढिल्लों (26) को मंगलवार रात गिरफ्तार किया गया और बुधवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि ढिल्लों तीन हफ्ते पहले ही पंजाब लौटा था। जालंधर (देहात) के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) हरविंदर सिंह ने बुधवार को बताया कि ढिल्लों की गाड़ी भी जब्त कर ली गई है। उन्होंने बताया कि करतारपुर के दसूपुर का रहने वाला ढिल्लों टूरिस्ट वीजा पर कनाडा गया था; लेकिन बाद में उसे 2027 तक वैध 'वर्क परमिट' मिल गया था। ढिल्लों को उसके दसूपुर स्थित घर से गिरफ्तार किया गया, जो फौजा सिंह के बेटे के अनुसार, ब्यास में उनके गांव से ज्यादा दूर नहीं है। हरविंदर ने बताया कि ढिल्लों के रिश्तेदार बृहस्पतिवार को उनसे मिलने पहुंचे और संवेदना व्यक्त की। हरविंदर ने कहा, ''उसके चाचा के साथ कुछ स्थानीय लोग आए थे। वे पास ही में रहते हैं और उनमें से ज्यादातर हमारे परिवार को जानते हैं। हम भी उनमें से ज्यादातर लोगों को जानते हैं, जो हमारे गांव के आस-पड़ोस में रहते हैं। उन्होंने इस दुर्घटना पर अपनी संवेदना और दुख व्यक्त किया।'' उन्होंने दोहराया कि ढिल्लों अपनी एसयूवी रोककर उनके पिता को तुरंत अस्पताल ले जा सकता था। हरविंदर ने कहा, ''मैंने पढ़ा है कि उसने दावा किया है कि उसे नहीं पता कि उसने किसे टक्कर मारी थी। हालांकि, वह स्थानीय निवासी था और उसे पता होना चाहिए था कि उसकी गाड़ी ने किसी बुजुर्ग को टक्कर मार दी है। अगर वह घटनास्थल से नहीं भागता और मेरे पिता को अस्पताल पहुंचाता, तो शायद उनकी जान बच सकती थी।'' उन्होंने कहा कि ढिल्लों को घटना के बाद अपने परिवार से बात करनी चाहिए थी, भले ही वह डरा हुआ था। हरविंदर ने कहा, ''वह हमारा दुश्मन नहीं है; वह हमसे संपर्क कर सकता था और स्वीकार कर सकता था कि वह वही था। कम से कम मानवता के नाते उसे आगे आना चाहिए था। अब पुलिस ने घटना के सिलसिले में कार्रवाई कर दी है और मामला उसके हाथ में है।'' इससे पहले एसएसपी ने कहा था कि प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि ढिल्लों किसी काम के चलते जल्दी में था और तेज रफ्तार से एसयूवी चला रहा था। उन्होंने कहा था, ''उस समय, ढिल्लों को उस व्यक्ति की पहचान के बारे में नहीं पता था, जिसे उसने टक्कर मारी थी। उसने हमें बताया कि वह डर गया था, इसलिए उसने गाड़ी नहीं रोकी।'' एसएसपी ने पत्रकारों को बताया कि ढिल्लों जालंधर जा रहा था, लेकिन दुर्घटना के बाद वह विभिन्न गांवों से होते हुए घर लौट आया। हालांकि, उन्होंने कहा कि वाहन को रोकना ढिल्लों की जिम्मेदारी थी और उसे सिंह को अस्पताल ले जाना चाहिए था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, जब सिंह अपने पैतृक गांव में जालंधर-पठानकोट राजमार्ग पार कर रहे थे, तभी एसयूवी की चपेट में आने से वह पांच से सात फुट ऊपर हवा में उछल गए।

टाटा समूह ने एअर इंडिया विमान हादसे के पीड़ितों के लिए 500 करोड़ रुपये का कल्याण ट्रस्ट स्थापित किया

नई दिल्ली/भाषा। टाटा संस और टाटा ट्रस्ट ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने एअर इंडिया विमान हादसे के पीड़ितों के लिए 500 करोड़ रुपये का कल्याणकारी ट्रस्ट स्थापित किया है। 'एआई-171 मेमोरियल एंड वेलफेयर ट्रस्ट' का पंजीकरण मुंबई में कराया गया है।

टाटा संस और टाटा ट्रस्ट ने परोपकारी उद्देश्यों के लिए ट्रस्ट को 250-250 करोड़ रुपये का योगदान देने की प्रतिबद्धता जताई है, जिसमें दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिवारों को एक-एक करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि देना भी शामिल है। ट्रस्ट की परोपकारी गतिविधियों में विमान हादसे में गंभीर रूप से घायल लोगों के इलाज का खर्च और दुर्घटना में क्षतिग्रस्त हुए बीजे मेडिकल कॉलेज छात्रावास के बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण के लिए सहायता भी शामिल होगी। गत 12 जून को अहमदाबाद से लंदन जा रहा एअर इंडिया का एक विमान उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस हादसे में कुल 260 लोग मारे गए थे, जिनमें जमीन पर मौजूद 19 लोग शामिल थे।

उद्धव ने महाराष्ट्र में त्रि-भाषा नीति का विरोध किया

मुंबई/भाषा। शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को कहा कि वह महाराष्ट्र सरकार द्वारा राज्य में त्रि-भाषा नीति लागू करने के किसी भी प्रयास को स्वीकार नहीं करेंगे।

मानसून सत्र के अंतिम दिन विधान भवन परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने बृहस्पतिवार को राज्य विधानमंडल परिसर में प्रतिद्वंद्वी दलों के दो विधायकों के समर्थकों के बीच हुई हाथापाई पर भी चिंता व्यक्त की और कहा कि इस घटना ने महाराष्ट्र की छवि को धूमिल किया है। मराठी तथा अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में हिंदी थोपे जाने'' के दावे पर पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, हम महाराष्ट्र में त्रि-भाषा नीति को जबरन लागू किए जाने को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

बेंगलूरु | शनिवार | 19-07-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

मनुष्यों को विनय धर्म स्वीकार करना चाहिए। विनय का अविनय, अहंकार विरोधी तत्व है, इससे बचना चाहिए। जो व्यक्ति विनम्रता के गुण को स्वीकार कर लेता है वह व्यक्ति सम्यक ज्ञान भी प्राप्त कर लेता है। विनय से व्यक्ति प्रतिष्ठा, पद सम्मान पाता है इसलिए अहंकार से मुक्त होना चाहिए। अविनय को दुर्गुण की उपमा दी गई है। विनय को सद्गुण तथा सदाचरण की महत्ता दी गई है।

देव दर्शन यात्रा के तहत महिलाओं ने वेल्लोर और कृष्णगिरि मंदिर के किए दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मारवाड़ी सम्मेलन महिला परिधि, कर्नाटक द्वारा बुधवार को 'देव दर्शन 3.0' कार्यक्रम के तहत 45 सदस्याओं ने वेल्लोर के लक्ष्मी नारायणी गोल्डन टेम्पल और कृष्णगिरि के पद्मावती अम्मा मंदिर के दर्शन किए। उन्होंने महालक्ष्मी स्वर्ण मंदिर में विशेष अभिषेक किया। संस्था की अध्यक्ष माया अग्रवाल के नेतृत्व में यह यात्रा न केवल आध्यात्मिक रूप से समृद्ध रही, बल्कि मनोरंजन, गीत-संगीत से भरपूर रही। इस आयोजन में सचिव शालिनी अग्रवाल, कोषाध्यक्ष हेमलता सांवरिया, सलाहकार मंजू अग्रवाल, यात्रा संयोजिका व उपाध्यक्ष लता चौधरी, निर्मला गोयल, पूजा मदन अग्रवाल और पारुल अग्रवाल, सविता अग्रवाल, हेमलता अग्रवाल, अंजू अग्रवाल और आशा मित्तल ने व्यवस्था संभाली।

आन्तरिक व बाह्य सुधार ईश्वर तथा गुरु कृपा से संभव : सुधांशु महाराज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

-श्रावण मास भगवान शिव की कृपा प्राप्त करने का सुनहरा अवसर
- आज शनिवार को होगा मंत्र दीक्षा कार्यक्रम

बेंगलूरु। शहर के जयनगर स्थित पूर्णिमा कन्वेंशन सेन्टर में शुक्रवार से विश्व जागृति मिशन बेंगलूरु शाखा द्वारा चार दिवसीय अमृत ज्ञान वर्षा महोत्सव के दूसरे दिन सदगुरुदेव श्री सुधांशु जी महाराज ने कहा कि व्यक्ति का आन्तरिक व बाह्य जगत का सुधार ईश्वर और गुरु कृपा से होता है इसलिए दोनों के प्रति अपने अन्दर अगाध श्रद्धा उत्पन्न करके पाया जा सकता है। अपने अन्दर की निर्णायक शक्ति को ठीक कर लेने से बाह्य के समस्त कार्य अच्छे होते हैं। आध्यात्मिक जगत के वरिष्ठ संतश्री ने कहा कि पावन श्रावण मास की पवित्र वेला में व्यक्ति अपने अन्दर भगवान् शिव की कृपा प्राप्त कर सकता है। अपनी श्रद्धा और भक्ति से नियमपूर्वक अपनी पात्रता के अनुसार देवों की कृपा को प्राप्त करें। महाराजश्री ने कहा कि गलत निर्णय से भाग्य नर्क में जाता है और अच्छे निर्णय से स्वर्ग की प्राप्ति होती है, इसलिए अपने जीवन को सही ढंग से चलाने के लिए ईश्वर और गुरु से जुड़ें तथा संगति का चुनाव सही से करके सौभाग्य में बदलाव कर सकते हैं। गुरु और भगवान का दरबार ही है जहां व्यक्ति का कल्याण होता है। सायंकालीन सत्र में समिति के सदस्यों ने आचार्यश्री का स्वागत किया। इस मौके पर सुधांशु जी ने कहा कि जिस तरह नदियां बहकर सागर में मिल जाती है, उसी तरह इस जीवात्मा की मंजिल भी परमात्मा को पाना है। पूर्ण शान्ति और पूर्ण स्वतंत्रता से चिंताओं को हटाकर व्यक्ति परम तत्व को पाकर जीवन में खुशी पा सकता है। इस उलझनों भरी दुनिया में हर कोई जीना दुःख और कष्ट क्लेश से बचने के उपाय ढूंढ़ता रह जाता है लेकिन वह नहीं मिल पाती है। उन्होंने इसके लिए आन्तरिक मन को शुद्ध करके खुद में परिवर्तन लाकर बाहरी जगत में आनंदित को पाने का मार्ग बताया। व्यक्ति शुभ कार्य करते हुए भी माया के उस जाल में फंसकर खुद को कोसने लगता है और दुःखी होता है। महाराजश्रीजी ने श्रीमद्भागवत गीता के पावन संदेश का रसास्वादन कराते हुए सभी को अपने कर्म को करते रहने की सलाह दी और फल की इच्छा न करने को कहा। उन्होंने अशांत रहने के कारण को जानने और शान्त रहने के मार्ग पर जाने की सलाह दी। गुरुदेव ने सत्संग स्थल को ही व्यक्ति का वर्कशॉप बताकर जीवन को रूपांतरण करने का मार्ग बताया। उन्होंने सनातन धर्म से जुड़कर अपने बच्चे व परिवारों को सनातनी बनाने पर जोर देते हुए देशवासियों से आहवान किया कि एकजुट में ही शक्ति है। समिति के आदित्य टांटिया ने बताया कि शनिवार को संतश्री गुरु मंत्र दीक्षा प्रदान करेंगे।

अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन की कर्नाटक युवा विंग की नई कार्यकारिणी समिति ने ली शपथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन कर्नाटक युवा विंग की वर्ष 2025-27 की नई कार्यकारिणी समिति की पहली बैठटक प्रदेश अध्यक्ष आरपी रविशंकर की अध्यक्षता में वैश्य महासभा कार्यालय में संपन्न हुई। गहन चर्चा के बाद, सर्वसम्मति से महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्तियां की गईं। बृजेश अग्रवाल को युवा विंग का अध्यक्ष, मितेश खंडेलवाल व स्नेह कुमार जाजू को कार्यकारी अध्यक्ष, संदीप चनानी को महामंत्री और आयुष भीमसरिया को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष बृजेश अग्रवाल ने संगठन के वरिष्ठ सदस्यों के निरंतर मार्गदर्शन में सभी को साथ लेकर चलने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर उपस्थित महासम्मेलन के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष विपिन राम अग्रवाल ने समाज की वर्तमान जरूरतों के अनुरूप कुछ नई पहलों पर विशेष बल दिया। आरपी रविशंकर ने नई टीम का सम्मान करते हुए उनके स्वर्णिम कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। बैठक में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी विस्तृत विचार-विमर्श किया गया और उनके सफल आयोजन के लिए संयोजकों की नियुक्ति की गई। इस मौके पर कर्नाटक प्रदेश के संयुक्त सचिव ललित डाकलिया, महिला विंग की अध्यक्षा रितु अग्रवाल और युवा विंग के निवर्तमान अध्यक्ष प्रीतम अग्रवाल सहित कई सदस्य उपस्थित थे। नवनिर्वाचित महामंत्री संदीप चनानी ने सभी उपस्थित सदस्यों और अतिथियों को धन्यवाद दिया।

सम्यक दर्शन, ज्ञान और चरित्र ही मोक्ष का मार्ग हैं : संतश्री वरुणमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर गुजराती जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय उपप्रवर्तक पंकजमुनिजी की निश्रा में मुनि डॉ वरुणमुनिजी ने कहा कि जैन धर्म में मुख्य रूप से चार धाराएं हैं श्वेतांबर मूर्तिपूजक, श्वेतांबर स्थानकवासी, श्वेतांबर तेरापंथी एवं दिगंबर परंपरा। नवकार महामंत्र चारों परंपराओं में समान रूप से मान्य है। भक्तामर स्तोत्र भी चारों संप्रदाय में मान्य है किंतु इसमें कहीं 44 श्लोक, तो कहीं 48 श्लोक की मान्यता है । श्रद्धा का अर्थ है सम्यक दर्शन। यह दो शब्दों से बना है सम्यक और दर्शन । दर्शन के तीन अर्थ हैं प्रथम अर्थ में देखना यानी प्रभु या गुरु के दर्शन करना। दर्शन का दूसरा अर्थ विचारधारा है, जैसे बौद्ध दर्शन, जैन दर्शन, वैदिक दर्शन, सांख्य दर्शन आदि। दर्शन का तीसरा अर्थ है श्रद्धा। सम्यक् दर्शन, ज्ञान और चरित्र ही मोक्षमार्ग है। सम्यक् ज्ञान का अर्थ सही जानना और सम्यक चारित्र का अर्थ सही स्वीकारना या आचरण करना होता है। श्रद्धा दो प्रकार की हो सकती है। पहले अंधश्रद्धा या मिथ्या श्रद्धा और दूसरी सम्यक श्रद्धा या सम्यग दर्शन। सम्यग् दर्शन तीन प्रकार का होता है पहला व्यावहारिक सम्यक दर्शन, जिसमें देव-गुरु और धर्म के प्रति सच्ची श्रद्धा रखना। गुरु का अर्थ है निर्ग्रंथ संत, जिनमें कोई गांठ नहीं या जो अपने पूर्व भवों की गांठों को खोलने वाले होते हैं। सम्यक दर्शन की दूसरी सीढ़ी है दार्शनिक सम्यक दर्शन। सम्यक् दर्शन की तीसरी सीढ़ी है नैश्चिक सम्यक् दर्शन, जिसमें देव, गुरु या धर्म की भी मान्यता नहीं है। यहां एकमात्र आत्मा को ही विशुद्ध माना है । आत्मा ही परमात्मा बन सकती है, ऐसी मान्यता है। हम भी सम्यक् दर्शन के सद्य स्वरूप को जानकर अपने आत्म कल्याण के मार्ग को प्रशस्त करें। मुनिश्री रुपेश मुनि जी ने मधुर भजन की प्रस्तुति दी। उपप्रवर्तकश्री पंकजमुनि जी ने मंगल पाठ प्रदान किया ।

तन, धन और पद का कभी भी अभिमान नहीं करना चाहिए : साध्वीश्री इन्दुप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी इंदुप्रभा जी ने कहा कि तन, धन और पद का कभी भी अभिमान नहीं करना चाहिए। ये सभी अनित्य और अविश्वसनीय होते हैं। लक्ष्मी प्रकृति से चंचल होती है। सही समय पर सही तरीके से उपयोग कर लेने वाला विचक्षण होता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि राजस्थान में भयंकर अकाल के वक्त पिपाड़ के पास रिया के सेठ जीवनलाल जी ने निःस्वार्थ भाव से अपना खजाना खोल कर लाखों को प्राण दान दिए थे जिससे आज भी वह रिया गांव 'सेठों की रिया' के नाम से प्रसिद्ध है। प्रवचन के प्रारंभ में साध्वी वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि कर्म और धर्म निजी होते हैं। इसमें भागीदारी नहीं चलती है। हम भले ही परिवार के लिए पाप सेवन करते हैं किंतु स्वयं का भुगतान स्वयं को ही करना पड़ता था। यह कर्म सिद्धांत है। जिनवाणी को हम किसी भी पूर्वाग्रह से मुक्त हो कर सुने और तुलना की मानसिकता नहीं रखें। प्रवचन सभा में तमिलनाडु जयमल जैन श्रावक संघ के मंत्री प्रकाशचंद बोहरा उपस्थित थे। कई श्रावक श्राविकाओं ने तप के प्रत्याख्यान लिए। सभा का संचालन अभय कुमार बांठिया ने किया। धनपत राज बोहरा ने तपस्वियों का सम्मान किया।

विजयनगर में तत्व संबोध कार्यशाला का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर के तत्वावधान में साध्वीश्री संयमलताजी के सान्निध्य में गुरुवार को तेरापंथ भवन में तत्व संबोध विषयक प्रथम कार्यशाला का आयोजन हुआ। कार्यशाला में साध्वी मार्दवश्रीजी ने आचार्य भिक्षु के आचार, विचार, सिद्धांत व उनका स्थानकवासी संप्रदाय से पृथक होने के मूल कारणों की जानकारी दी तथा उपस्थित महिला सदस्याओं की जिज्ञासाओं का भी समाधान किया। कार्यशाला में मंडल की अध्यक्ष महिमा पटावरी, कार्यशाला संयोजिका बरखा पुगलिया, सहसंयोजिका संगीता बैद, सहमंत्री हंसा दुगड़ सहित अन्य 15 सदस्याएं उपस्थित थीं।

महिला व्यवसाय रेफरल समूह जेबीएन वी-कनेक्ट की बैठक आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जीतो जेबीएन वी-कनेक्ट की चौथी बैठक राजाजीनगर स्थित कार्यालय में हुई। कार्यक्रम में लेडीज विंग की चेयरपर्सन लक्ष्मी बाफना, मुख्य सचिव रक्षा छाजेड़, संयुक्त सचिव मीना बडेरा,राष्ट्रीय संयोजिका (आत्मनिर्भर योजना) बिंदु रायसोनी तथा राष्ट्रीय संयोजिका(श्रमण आरोग्य योजना) सुनीता गांधी की विशेष उपस्थिति थी। बैठक में मुख्य वक्ता अंसान कैपिटल के संस्थापिका नील पारेख ने निवेश के बारे में जानकारी दी। उन्होंने अमीरी व मध्यम वर्ग की मानसिकता में अंतर, संपत्ति निर्माण की योजना, सक्रिय एवं निष्क्रिय आय, पैसे से पैसा कमाएं, वित्तीय लक्ष्य निर्धारण और व्यापारिक सोच की स्पष्टता जैसे विषयों पर व्यावहारिक दृष्टिकोण और जीवन से जुड़े उदाहरणों के माध्यम से विचार साझा किए। सीए सुखदेवी जैन ने बिजनेस प्रेजेंटेशन दिया। इस कार्यक्रम का संचालन रेफरल हेड मीना जैन, रेफरल लीड लीला पितलिया और रेफरल सचिव सीए सुखीदेवी जैन द्वारा किया गया।

तपस्या ही जीवन का सच्चा आभूषण है : साध्वीश्री पावनप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

केजीएफ । शहर के तेरापंथ भवन में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी पावनप्रभाजी के सान्निध्य में तप अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर साध्वीश्री ने कहा कि भिक्षु त्रिशताब्दी के सुअवसर पर स्वर्ण नगरी केजीएफ में तपस्या का सुनहरा रंग छाया हुआ है। हम कितने भाग्यशाली हैं की हमे मनुष्य जीवन व औदारिक शरीर प्राप्त हुआ है क्योंकि तपस्या एकमात्र औदारिक शरीर से ही सम्भव होती है। जैसे जैसे क्षयोपशम व त्याग चेतना का प्रचुर भाव बढ़ता है वैसे तपस्या के भाव पुष्ट होते हैं। तपस्या से आवेग ओर संवेग शान्त हो जाते है। जैन धर्म की तपस्या एक चिकित्सा बनी हुई है इससे शारीरिक, मानसिक और भावात्मक लाभ मिलता है। तपस्या से औदारिक के साथ साथ तेजस व कर्मण शरीर भी प्रभावित होता है। तपस्या से शरीर संतुलित रहता है। तपस्या ही जीवन का सच्चा आभूषण है। साध्वी रम्यप्रभाजी आदि तपस्वियों ने गीत की प्रस्तुति दी। साध्वी उन्नतयशाजी ने क़हा कि कर्म निर्जरा का बहुत बड़ा साधन है। तपस्या हर व्यक्ति नहीं कर सकता परन्तु अनुमोदना हर व्यक्ति कर सकता है और अपने कर्मों को हल्का कर सकता है। इस मौके पर अनेक तपस्वियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन साध्वी उन्नतयशाजी ने किया।

सफलता की सीढ़ी है रामायण : मुनिश्री आर्यशेखरविजय

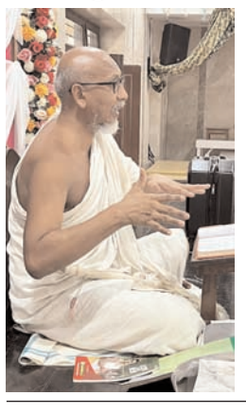

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के चिकपेट स्थित आदिनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री आर्यशेखरविजयजी ने अपने प्रवचन में जैन रामायण के बारे में बताते हुए कहा कि रामायण हमें जीवन की राह बताती है। रामायण सफलता की सीढ़ी है। रामायण खुद पर विजय प्राप्त करना सिखाती है। शक्ति न होने से क्षमा रखना तो ठीक है परंतु शक्ति भरपूर होने के बावजूद क्षमा रखना वीरों का भूषण है। केवल अहिंसा ही परमोधर्म नहीं परमात्मा की आज्ञा ही पालन करना परमोधर्म है। संतश्री ने रामायण के पात्रों के बारे में जानकारी दी।

विनय से व्यक्ति प्रतिष्ठा, पद सम्मान पाता है : आचार्यश्री प्रभाकरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महालक्ष्मी लेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री प्रभाकरसूरीश्वरजी व साध्वी तत्वत्रयाश्रीजी के सान्निध्य में चल रही चातुर्मास में आचार्यश्री ने कहा कि भगवान महावीर ने अपने जीवन के अंतिम चरणों में जिस धर्म दर्शन तथा संस्कृति का कथन दिया उसे वर्तमान में उत्तराध्ययन सूत्र के नाम से पहचाना जाता है। इसमें 36 अध्ययन निहित हैं। इसके प्रथम अध्याय में विनय का स्वरूप प्रकट किया गया है अर्थात मनुष्यों को विनय धर्म स्वीकार करना चाहिए। विनय का अविनय, अहंकार विरोधी तत्व है, इससे बचना चाहिए। जो व्यक्ति विनम्रता के गुण को स्वीकार कर लेता है वह व्यक्ति सम्यक ज्ञान भी प्राप्त कर लेता है। विनय से व्यक्ति प्रतिष्ठा, पद सम्मान पाता है इसलिए अहंकार से मुक्त होना चाहिए। अविनय को दुर्गुण की उपमा दी गई है। विनय को सद्गुण तथा सदाचरण की महत्ता दी गई है। आप सभी श्रावकों को अपने जीवन में

अहंकार, धन, दौलत, सत्ता इन सबसे बचकर रहना चाहिए। जीवन में उत्तराध्ययन सूत्र की शक्ति को पहचानना जरूरी है। अपने जीवन में जो क्रोध है उसका दमन करें व विषयों का वमन करें केवल अपनी आत्मा में रमण करना चाहिए। आचार्यश्री ने कहा कि जो अविनीत व्यक्ति होता है वह सभी जगह निरादर ही पाता है। हमें भी उनके प्रति विनय का भाव रखना चाहिए। मन, वचन, काया से कर्मों के बंध होता हैं। जिन क्रियाओं को करने से हमारे जीवन का उत्थान हो वह सबसे श्रेष्ठ क्रिया है। महावीर स्वामी ने चार कषाय बताए क्रोध, मान, माया और लोभ। ये मन के चार विकार हैं। माया को निर्मलता से जीता जा सकता है। लोभ को संतोष से जीता जा सकता है। उत्तराध्यान सूत्र में न तो क्रोध, मान, माया, लोभ की प्रगति बताई है। क्रोध की प्रकृति उष्ण है। माया के जाल की तरह, अहंकार की प्रकृति कठोर है। लोभ की प्रकृति चिकनी है। इन चारों कषायों को जीवन में नहीं आने देना चाहिए। सभा में मुनिश्री महापद्मविजयजी, पद्मविजयजी, साध्वी तत्वत्रयाश्रीजी, गोयमरत्नाश्रीजी व परमप्रज्ञाश्रीजी उपस्थित थे।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com